दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। सोमवार 30 दिसंबर-2024 ● वर्ष : 10 अंक : 11 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

एक सच्चे राष्ट्रसेवक अरुण जेटली को शत-शत नमन : डॉ. पीएन अरोड़ा

नई दिल्ली। यशोदा अस्पताल के एमडी डॉ. पीएन अरोड़ा ने स्वर्गीय अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर आगे लिखा कि वह केवल एक प्रख्यात वकील और दूरदर्शी नेता नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के मजबूत स्तंभ थे, जिन्होंने हर चुनौती को अवसर में बदलकर देश की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

वित्त, रक्षा और कानून जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनकी नीतियों और निर्णयों ने न केवल भारत की आर्थिक नींव को मजबूत किया, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। कठिन समय में राष्ट्र को सशक्त दिशा प्रदान करने तक, उनका योगदान अतुलनीय है।

उनकी नेतृत्व क्षमता, गहरी समझ और निस्वार्थ सेवा का हर भारतीय सदा ऋणी रहेगा। उनके आदर्श और विचार हमें निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। अरुण जेटली जी को उनकी जयंती पर शत शत नमन। उनके जैसा सच्चा राष्ट्रसेवक युगों में जन्म लेता है।

महानगर अध्यक्ष वाली परीक्षा में जो लेगा अतुल गणित को साध उसी के सिर पर आ जाएगा ताज और हो जाएगी उसकी जिंदाबाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भगवा गढ़ की राजनीति में घटनाक्रम बहुत तेजी से घटता है। यहां की सियासी गणना में बीते एक साल में बहुत पानी बह गया है। यहां प्रमोशन हुआ है, यहां तबादला हुआ है, यहां आस्थाएं बदली हैं और यहां पावर सेंटर बदल गया है। शहर विधायक का प्रमोशन हुआ और वो लोकसभा सांसद हो गए। लोकसभा सांसद रहे जनरल वीके सिंह का तबादला हुआ और वो मिजोरम के राज्यपाल हो गए। महानगर अध्यक्ष पर पर रहते हुए संजीव शर्मा को शहर सीट से भाजपा ने विधानसभा उपचुनाव का टिकट दिया और वो एक बड़े अंतराज से जीत हासिल कर शहर विधायक हो गए। इसी बीच शहर में तेजी से सियासत बदली और पावर सेंटर सड़क के उस पार से सड़क के इस पर आ गया। कहा जाता है कि शहर विधानसभा उपचुनाव में एक चुनाव अध्यक्ष वाला भी लड़ा जा रहा था। यहां भाजपा कार्यकर्ता इस बात को लेकर श्योर थे कि शहर सीट पर कमल खिलने जा रहा है और भाजपा में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत है। ठीक वैसा ही हुआ और महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा शहर विधायक बन गए और अब यहां नया महानगर अध्यक्ष चुना जाना है। बड़ा सवाल ये है कि वो कौन सी दखल है जिसके बाद अध्यक्ष वाली दावेदारी में इस दखल से चलह-पहल आ जाएगी। जो इस गणित को जानते हैं और जो सियासत की नब्ज पहचानते हैं वो ये बता रहे हैं कि पावर सेंटर अब बदल गया है और यहां महानगर अध्यक्ष वाली रेस में जो भी दावेदार अतुल गणित को साध लेगा उसके सिर पर अध्यक्ष वाला ताज आ जाएगा, उसकी जिंदाबाद हो जाएगी। क्योंकि ये बताया जा रहा है कि एक तो अतुल गर्ग अब सांसद हैं लिहाजा उनकी प्रस्तुति अहम है। वहीं इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अतुल गर्ग अब राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा बनकर उभरे हैं। संगठन अब उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दे रहा है। वहीं अतुल गर्ग भी अध्यक्ष पद की तमन्ना लेकर आने वाले दावेदारों को ना निराश कर रहे हैं और ना ही कोई ऑक्सीजन दे रहे हैं। वो एक ऑप्शन दे रहे हैं और ये अतुल गर्ग का अपना फॉर्मूला है। जो इस गणित को साध लेगा वो अध्यक्ष वाली कुर्सी के नजदीक आ जाएगा। सूत्र बताते हैं कि जो भी चेहरा अतुल गर्ग के गणित की पहली को सुलझा लेगा वो अध्यक्ष बन जाएगा।

पांच में से सहमति ले आओ तीन तो बन जाएगा अध्यक्ष वाला सीन

करंट क्राइम। अतुल गर्ग ने जो फॉर्मूला दिया है वो पांच बनाम तीन है। वो अध्यक्ष पद की तमन्ना लेकर आने वाले दावेदारों को पांच जनप्रतिनिधियों के नाम बता रहे हैं और ये भी बता रहे हैं कि अगर इनमें से आप किन्हीं भी तीन की सहमति ले आते हो तो मेरी सहमति अपने आप जुड़ जाएगी और अध्यक्ष वाले सीन को पूरा होने में देर नहीं लगेगी। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने जो ऑप्शन दिया है उसमें कहा गया है कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मेयर सुनीता दयाल, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी और महानगर अध्यक्ष तथा शहर विधायक संजीव शर्मा में से अगर तीन जनप्रतिनिधि की सहमति किसी दावेदार के पक्ष में आती है तो चौथी सहमति मेरी होगी। ऐसे में अगर पांच में से तीन का सीन बनेगा तो यहां अध्यक्षी वाला सीन बन जाएगा और यही वो गणित है जिसे दावेदारों को हल करना है।

अतुल गर्ग के बाउंसर, गुगली और अब ये हैलीकॉप्टर शॉट

करंट क्राइम। अतुल गर्ग राजनीति की पिच पर धुंआधार पारी खेल रहे हैं। उन्होंने अपनी गुगली पर वो विकट ले लिया जिससे पूरा मैच ही पलट गया। गेंद इतना घुमाव लेगी इसका किसी को अंदाजा नहीं था और फिर उसके बाद अतुल गर्ग ने एयरपोर्ट वाले लेटर से लेकर लोनी-सहारनपुर हाइवे वाले मेटर के बाउंसर इसी पिच पर मारे और अब वो बैटिंग वाले अंदाज में हैं और यहां वो हैलीकॉप्टर शॉट के साथ आए हैं। बताने वाले बता रहे हैं कि उनके दर पर जिसने भी सर टेका है उसे वो वाली फीलिंग नहीं आ रही जो हिमायत वाले अंदाज में आती है। बताने वाले बता रहे हैं कि वो गोमती नदी तो नहीं हुए हैं लेकिन एक गहरे शांत और तटस्थ समुंदर हो गए हैं। वो ये कहते हैं कि मैं अपनी तरफ से किसी का नाम नहीं रखूंगा, लेकिन पार्टी पूछेगी तो मैं जरूर आपका नाम रख दूंगा, लेकिन यहां भी कन्फ्यूजन ये बताया जा रहा है कि ये बात उन्होंने कई दावेदारों से कह दी है। अब किसका नाम रखेंगे, किसके बारे में पार्टी पूछेगी, सबकुछ हवा में है। वो इस अंदाज में है कि 'कबीरा खड़ा बाजार में मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर'।

क्यों नहीं लिया अतुल गर्ग ने अपने फॉर्मूले में एक प्रतिनिधि का नाम

करंट क्राइम। अतुल गर्ग सियायत की पिच पर वो पारी खेल रहे हैं जहां उनके पास बड़ी जिम्मेदारी है। उनके शब्दों का वजन अब भगवा सियासत में बहुत भारी है और अतुल गर्ग शब्द मैजेशियन हैं। वो सियासत के इस मैच में कभी गुगली डाल रहे हैं, कभी बाउंसर डाल रहे हैं तो कभी हैलीकॉप्टर शॉट खेल रहे हैं। वो जानते हैं कि कब क्या किस अंदाज में कहना है। उन्होंने जब पांच जनप्रतिनिधियों के नाम गिनाए तो उनमें मेयर सुनीता दयाल का भी नाम लिया, शहर विधायक संजीव शर्मा का नाम लिया, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का नाम लिया, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप का नाम लिया और मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी का भी नाम लिया, लेकिन यहां उन्होंने एक जनप्रतिनिधि का नाम नहीं लिया। हालांकि इन जनप्रतिनिधि के घर की दूरी और अतुल गर्ग के घर की दूरी ज्यादा नहीं है लेकिन हो सकता है कि सियासी मजबूरी हो। ये भी हो सकता है कि मजबूरी ना हो और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने नाम लेना जरूरी ना समझा हो, लेकिन सियासत में चर्चाएं तो उठती ही है और ये चर्चा हो रही हैं कि दूर वालों का जिक्र भी हुआ लेकिन पास वाले का नाम भी उन्होंने अपनी जुबान से नहीं लिया। जिन्हें पुराने किस्से की नॉलेज है वो बता रहे हैं कि मामला पकोड़ों के तीखेपन का है और कॉलेज से जुड़ा है। कहने वाले ये भी कह रहे हैं कि अगर नाम नहीं लिया तो कोई ऐसा खास मेटर नहीं है, माना जाता है कि मन उस लेटर को भूला नहीं है।

15 जनवरी तक भाजपा को मिल जाएगा नया महानगर अध्यक्ष

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में संगठन ओवरहोलिंग का काम पूरा हो गया है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक की ताजपोशी होनी है।

संगठन चुनाव का काम चल रहा है और जिस घोषणा का सबसे ज्यादा इंतजार है वो महानगर अध्यक्ष वाली घोषणा है। यहां कई चेहरों के नाम दावेदारी में हैं। सूत्र बताते हैं कि इस लिस्ट में कई नाम ऐसे हैं जो यहां तो साइलेंट मोड पर है लेकिन उन्होंने दिल्ली-लखनऊ में तूफान मचा रखा है। वहीं गाजियाबाद में दो ऐसे भगवा पावर सेंटर हैं जिन्होंने कई दावेदारियों का करंट साइलेंटली खत्म कर दिया है।

गाजियाबाद में महानगर अध्यक्ष बदला जाना तय है। इसकी वजह ये है कि महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा लगातार दूसरी बार अध्यक्ष हैं। लिहाजा रिपीट नहीं होंगे और अब वो वैसे भी शहर विधायक हैं और अब उन्हें लखनऊ में पारी खेलनी है। ऐसे में नए महानगर अध्यक्ष पद पर किसी ना किसी चेहरे की ताजपोशी होनी है। इसी तरह जिला अध्यक्ष पद पर भी नया चेहरा आने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में कई चेहरों के नाम चर्चा में हैं और कार्यकताओं में इस बात की उत्सुकता है कि कौन महानगर अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान होगा, कौन जिलाध्यक्ष बनेगा, किसकी कितनी दखल रहेगी। सूत्र बताते हैं कि पहले मंडल अध्यक्षों की घोषणा होगी और फिर दस दिन बाद महानगर अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी।

माना ये जा रहा है कि खरमास की समाप्ति के तुरंत बाद मकर संक्रांति से किसी भी दिन अध्यक्ष पद की घोषणा हो सकती है। 15 जनवरी तक नया महानगर अध्यक्ष गाजियाबाद को मिल जाएगा तथा गाजियाबाद को भाजपा जिलाध्यक्ष भी मिल जाएगा। महानगर अध्यक्ष के साथ-साथ जिला अध्यक्ष पद पर भी घोषणा हो जाएगी। दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित बैठक से इस बात के संकेत मिले हैं। बताया जाता है कि सभी अध्यक्षों की घोषणा एकसाथ होगी और 15 जनवरी तक यह घोषणा कभी भी हो जाएगी।

किस सपा नेता ने जिलाध्यक्ष के सामने कर दी इस्तीफे की पेशकश

कहा कार में रखा हुआ है इस्तीफा का पत्र

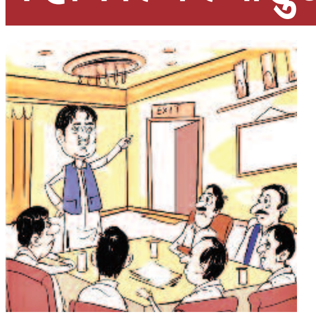

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी की बैठकों और कार्यक्रमों में तो हंगामे की जानकारी आम बात है लेकिन बीते दिनों समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष का जन्मदिन था और जन्मदिन दिवस की बेला पर एक ऐसा किस्सा बाहर निकाल कर आया है जो सपा के पदाधिकारियों को हैरान व परेशान करने वाला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार समाजवादी जिलाध्यक्ष के जन्मदिन की शुभकामना पदाधिकारी देने का काम कर रहे थे। इसी दौरान एक पदाधिकारी ने खड़े होकर कहा कि जिलाध्यक्ष जी में काफी परेशान चल रहा हूं और इस्तीफा देना चाहता हूं। पीछे से इस वीडियो में आवाज आ रही है कि अध्यक्ष जी के बर्थडे पर इस तरीके की बातें मत करो। बताया जा रहा है समाजवादी पार्टी के एक पदाधिकारी अपनी ही पार्टी के एक विंग प्रभारी से परेशान हैं। इसीलिए वह अपनी गाड़ी में इस्तीफा वाला पत्र रखे होने की बात कर रहे थें।

सूत्र बता रहे हैं कि इस पूरे मामले का एक वीडियो भी सामने आया है, जो पार्टी के लोग ही वायरल कर रहे हैं। इसमें एक समाजवादी पार्टी के पुराने नेता जिलाध्यक्ष के बर्थडे में उनके सामने ही इस्तीफा की पेशकश कर रहे हैं और कह रहे हैं कि वह परेशान हो चुके हैं और इसी वजह से यह निर्णय ले रहे हैं। सोशल मीडिया से जो वीडियो मिली है, वह इशारा कर रही है कि पार्टी में कुछ ना कुछ गड़बड़ चल रहा है, पर अभी इस मामले को लेकर ना तो कोई एक्शन हुआ है और ना नेताओं के बीच इसका कोई रिएक्शन आया है। कुल मिलाकर समाजवादी पार्टी के एक बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान पार्टी कार्यालय में एक पदाधिकारी द्वारा इस्तीफा की पेशकश का मामला इन दिनों सपा नेताओं की जुबान पर खूब चर्चा में बना हुआ है। वही सूत्र बता रहे हैं कि जिस सपा नेता का यह वीडियो है, वह पूर्व में अपने ही पार्टी के एक विंग प्रभारी पर कवि नगर थाने में मुकदमा दर्ज करवा चुके हैं और दोनों के बीच व्हाट्सएप के ग्रुप पर काफी आपत्तिजनक चेतावनी और धमकी का दौर भी चला था।

शहर में किस उद्योगपति की कोठी में चल रही है कई दिनों से इनकम टैक्स की सर्च

- 24 घंटे पुलिस रहती है मौजूद और बंद रहते हैं गेट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद जिले में एक जाने-माने और बड़े उद्योगपति के यहां बीते कई दिनों से इनकम टैक्स विभाग की सर्च चलने की जानकारी मिल रही है। सूचना मिली है कि कई दिनों से यहां आयकर विभाग की टीम सुबह से लेकर देर रात तक सर्च में तमाम तरीके के कागजों, नगदी और ज्वेलरी से लेकर लग्जरी गाड़ियों की रिपोर्ट तैयार कर रही है। यहां किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति ना बने और कोई हंगामा न बरपे इसके लिए सुबह से लेकर रात तक पुलिस का पहरा रहता है। सूत्र बता रहे हैं कि सुबह जैसे ही पुलिस और अधिकारियों की एंट्री हो जाती है ,उसके बाद गेट बंद हो जाते हैं। यह सिलसिला बीते कई दिनों से सुबह से लेकर देर रात तक चल रहा है।

ज्वेलरी से लेकर गाड़ियों तक का लिया जा रहा है रिकॉर्ड

करंट क्राइम : सूत्रों से जानकारी मिली है कि बीते कई दिनों से शहर के बीचोंबीच रहने वाले एक बड़े उद्योगपति जिनके शहर में होटल से लेकर मॉल और रियल स्टेट का उत्तर भारत में बड़ा नेटवर्क है। बताया जा रहा है कि बीते कई दिनों से यहां आयकर विभाग की टीम तमाम तरीके के दस्तावेज और प्रॉपर्टी का रिकॉर्ड जप्त करने के साथ ही उनकी गहनता से जांच कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की टीम यहां प्रतिदिन गहन पूछताछ और पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही दस्तावेजों को भी एकत्रित करने का काम किया जा रहा है।

कैश और प्रॉपर्टी की जुटाई जा रही है जानकारी

करंट क्राइम : आयकर विभाग का छापा बेहद गोपनीय ढंग से चल रहा है। इसके साथ ही इसमें कई अधिकारियों की टीम हैं। साथ ही महिला और पुरुष अधिकारी प्रतिदिन यहां से कैश और प्रॉपर्टी का लेखा-जोखा भी जुटा रहे हैं। कुल मिलाकर अभी तक कई दिनों से जारी आयकर विभाग की इस सर्च में क्या-क्या बरामदगी हुई है, यह जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि बड़ी मात्रा में कैश और लग्जरी गाड़ियों के काफिले को लेकर अधिकारी पूरी जांच पड़ताल कर लंबी लिस्ट तैयार कर रहे हैं।

नए साल के जश्न को शांतिपूर्वक करने का पुलिस का प्रयास तेज
सड़कों पर चेकिंग शुरू, खंगाले जा रहे हैं अशांति वाले प्लेस

- कवि नगर, सिहानी गेट, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम थानाक्षेत्र के साथ ही इंदिरापुरम, मसूरी, क्रॉसिंग रिपब्लिक, लिंक रोड सहित सभी थानाक्षेत्र में चला चेकिंग अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर पहले ही एडवाइजरी जारी कर चुका है। तो वहीं बीते दिनों आरडीसी में मुख्य मार्ग पर हंगामा मचाने वाला मामला सामने आने के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के प्रत्येक थानाक्षेत्र में चेकिंग को लेकर अलर्टनेस नजर आने लगी है। रविवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाले सिटी जोन में कवि नगर, मधुबन बापूधाम, सिहानी गेट, नंदग्राम, घंटाघर कोतवाली तो देहात जोन के क्रॉसिंग रिपब्लिक, मसूरी के साथ ही नदिया पार में इंदिरापुरम, साहिबाबाद, लिंक रोड, शालीमार गार्डन और दिल्ली बॉर्डर से सटे इलाकों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया है। इस दौरान नियम न मानने वालों के चालान भी बड़ी संख्या में किए गए हैं।

मॉल, होटल और मुख्य मार्ग पुलिस की चेकिंग लिस्ट में शामिल

करंट क्राइम : डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार ने बताया है कि नए साल को लेकर मॉल ,होटलों और मुख्य मार्गों पर जश्न नियमों के अंतर्गत हों, इसको लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एसीपी और एसएचओ स्तर के अधिकारी सड़क पर उतरकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। तो वहीं थाना प्रभारी और थानाध्यक्ष चेकिंग अभियान को गंभीरता के साथ चला रहे हैं। रविवार को भी मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र, नंदग्राम और कवि नगर के साथ ही सिहानी गेट पुलिस एक्टिव मोड में नजर आई है।

जनवरी में यूपी-एमपी समेत 7 राज्यों में बदलेंगे भाजपा अध्यक्ष

नया राष्ट्रीय अध्यक्ष फरवरी तक, 15 जनवरी तक 50% राज्यों में संगठन चुनाव

नई दिल्ली। बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत संगठन महासचिव बीएल संतोष, सभी राष्ट्रीय महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महासचिव और संगठन चुनाव प्रभारी मौजूद थे। भाजपा में जल्द ही संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। हालांकि पार्टी के संविधान के मुताबिक इससे पहले 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन के चुनाव पूरे कराने हैं। इसके अलावा 15 जनवरी तक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। संगठन चुनाव को लेकर रविवार को दिल्ली में पार्टी की बैठक हुई, जिसमें इन चुनावों को लेकर चर्चा हुई। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष के अलावा सभी राष्ट्रीय महासचिव और संगठन चुनाव प्रभारी, सह प्रभारी मौजूद रहे। इसके अलावा राज्यों से प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री और चुनाव अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। अक्टूबर में नियुक्त हुए थे चुनाव अधिकारी भाजपा ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के ऐलान के दिन (15 अक्टूबर) ही पार्टी के आंतरिक चुनावों के लिए अधिकारी नियुक्त किए थे। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना से राज्यसभा सांसद डॉ. के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाया था। लक्ष्मण 2020 से मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर भी इनके नाम की चर्चा थी, लेकिन राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाए जाने के बाद इन अटकलों पर विराम लग गया। इसके अलावा नरेश बंसल, रेखा वर्मा, संबित पात्रा को राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी बनाया गया था। पार्टी के सभी राष्ट्रीय महासचिवों और दूसरे पदाधिकारियों को अलग-अलग राज्यों का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव के चलते नड्डा का कार्यकाल बढ़ा

जेपी नड्डा को जून, 2019 में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष और जनवरी, 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। इस लिहाज से नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था। भाजपा के संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है। नड्डा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में जाने के बाद उनके दोबारा अध्यक्ष बनने की संभावना खत्म हो चुकी है। इसकी वजह भाजपा का एक व्यक्ति-एक पद नियम है।

पद के लिए आयु सीमा तय, युवाओं को अहमियत

भाजपा अपने संगठन में युवाओं को महत्व देने के लिए पहले ही आयु सीमा तय कर चुकी है। इसके लिए जिलों के भीतर बनाए जाने वाले मंडल अध्यक्ष की उम्र 35 से 45 साल के बीच निर्धारित की गई है। वहीं, जिलाध्यक्ष की उम्र 45 से 60 साल के बीच होगी। जिलाध्यक्ष के लिए संगठन में 7 से 8 साल तक काम करने का अनुभव भी जरूरी किया गया है। इनका चुनाव 15 जनवरी तक पूरा कराए जाने का लक्ष्य है। लगातार दो बार मंडल अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष रह चुके व्यक्ति को तीसरी बार मौका नहीं मिलेगा। साथ ही तय हुआ है कि संगठन के किसी पद पर काम कर रहे व्यक्ति को ही जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा। बैठक की शुरूआत में 2 मिनट का मौन रखकर पूर्व ढट डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प. बंगाल के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत में 2 मिनट का मौन रखकर पूर्व ढट डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प. बंगाल के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी मौजूद रहे।

भाजपा में अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया क्या

भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए पार्टी के संविधान में स्पष्ट निर्देश हैं। पार्टी के संविधान की धारा-19 के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की व्यवस्था की गई है। धारा-19 के मुताबिक, पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य होंगे। पार्टी के संविधान में कहा गया है कि यह चुनाव राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित नियमों के मुताबिक किया जाएगा। अध्यक्ष चुने जाने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य रहा हो। धारा-19 के पेज में ही यह लिखा गया है कि नर्वाचक मंडल में से कुल 20 सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की योग्यता रखने वाले व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव रखेंगे। यह संयुक्त प्रस्ताव कम से कम 5 ऐसे प्रदेशों से भी आना जरूरी है, जहां राष्ट्रीय परिषद के चुनाव संपन्न हो चुके हों। इसके अलावा इस तरह के चुनाव के लिए नामांकन पत्र पर उम्मीदवार की स्वीकृति भी जरूरी है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की अस्थियों के विसर्जन में नहीं पहुंचे गांधी परिवार और कांग्रेस नेता, भाजपा ने लगाया आरोप

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अस्थियां रविवार को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सिख रीति-रिवाजों के साथ मजनू का टीला गुरुद्वारे के पास यमुना नदी में विसर्जित कर दी गई। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से अस्थि विसर्जन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, "आज भारत मां के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अस्थियां पूरे विधि-विधान के साथ मजनू का टीला स्थित गुरुद्वारे के पास यमुना घाट पर विसर्जित की गईं। हम सभी मनमोहन सिंह जी की देश सेवा, समर्पण और उनकी सहजता को हमेशा याद रखेंगे।"

वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन के वक्त कांग्रेस का कोई नेता मौजूद नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "यह देखकर बहुत दुख हुआ कि डॉ. मनमोहन सिंह जी के पार्थिव शरीर को लेने के लिए कांग्रेस या गांधी परिवार का एक भी सदस्य नहीं आया। मीडिया का ध्यान खींचने और राजनीति करने के लिए कांग्रेस मौजूद थी, लेकिन जब उन्हें सम्मान देने की बात आई तो वे नदारद हो गए। वाकई शर्मनाक है।" बता दें कि 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन 92 साल की आयु में दिल्ली के एम्स में हो गया था। 28 दिसंबर को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया गया था। इससे पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित न करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया था।

दरअसल, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम चिट्ठी लिखकर पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार वहीं कराने का निवेदन किया था, जहां पर उनका स्मारक बने। लेकिन गृह मंत्रालय ने इसका जवाब दिया कि दिवंगत प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार के लिए निगमबोध घाट को चुना गया है, उनका स्मारक दिल्ली में बनेगा। इस प्रक्रिया में समय लगेगा और उचित जगह तलाशने के लिए कमेटी बनाई जाएगी।

'सीएम योगी के आवास पर है शिवलिंग वहां भी हो खुदाई' : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों मंदिर खोजने और खुदाई का मामला काफी चर्चित है। संभल के बाद से कई जगहों पर नए मंदिर मिल रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास के नीचे भी शिवलिंग है और उसकी भी खुदाई होनी चाहिए। सपा मुखिया अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री आवास के नीचे शिवलिंग है। यह हमारी जानकारी है। इसकी भी खुदाई होनी चाहिए। अखिलेश इससे पहले भी संभल में हो रही खुदाई को लेकर निशाना साध चुके हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर ध्यान हटाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है। जगह-जगह खुदाई हो रही है। उनके हाथ में विकास की नहीं, विनाश की रेखा है। अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ के लिए निमंत्रण नहीं दिए जाते हैं। कुंभ में लोग खुद आते हैं। हमने अपने धर्म में यही सीखा है। जो करोड़ों लोग आएंगे, क्या उन्हें निमंत्रण दिया जाता है? यह सरकार अलग है। दरअसल, शनिवार को मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को महाकुंभ में आने का निमंत्रण दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार को कठघरे में खड़ा करने की हमारी जिम्मेदारी है। जब सपा सरकार में कुंभ हुआ था, उसकी स्टडी हॉवर्ड यूनिवर्सिटी ने की थी। महाकुंभ का अच्छे से आयोजन हो, इसके लिए सपा सहयोग के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक बिजली, ब्रिज का काम अधूरा है। सरकार को कठघरे में खड़ा करने की हमारी जिम्मेदारी है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर अखिलेश यादव ने कहा कि आज भी जर्मनी में बैलेट पेपर से मतदान होता है, लेकिन भारत में ईवीएम का खेल जारी है। उन्होंने कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जर्मनी की सड़कें देखने के बाद बनाया गया था जो आज भी देश की सबसे अच्छी सड़क है। दुनिया कहां पहुंच गई है। हम लोग कहां उलझे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव लाएगी।

ओडिशा : बस पलटने से 3 की मौत, सीएम ने 2 लाख रुपए मुआवजे का किया ऐलान

कोरापुट । ओडिशा के कोरापुट जिले के बैपारीगुडा पुलिस क्षेत्र के सुकनाला घाट पर रविवार सुबह एक बस के पलट जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। सीएम मोहन चरण माझी ने हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजा राशि का ऐलान किया। कटक से गुप्तेश्वर मंदिर जा रहे तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क से पलट गई। हादसे में 12 वर्ष के बच्चे समेत तीन की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद दमकल विभाग, बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने तत्काल प्रभाव से बचाव अभियान शुरू किया। घायलों का प्राथमिक इलाज बैपारीगुडा अस्पताल में किया गया। जबकि, गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की और घायलों को शीघ्र चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कोरापुट बस दुर्घटना में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की । ओडिशा सीएमओ ने एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कोरापुट गुप्तास्वर सुकुनाल यात्री बस दुर्घटना में हुई ।

साल के अंतिम मन की बात में बोले पीएम मोदी : महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश

प्रयागराज। पीएम मोदी ने प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ का अपने मन की बात कार्यक्रम में जिक्र किया। करीब चार मिनट तक उन्होंने महाकुंभ का जिक्र किया। साथ ही गत दिनों महाकुंभ के मद्देनजर प्रयागराज के दौरे का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल के अंतिम मन की बात कार्यक्रम में महाकुंभ का जिक्र किया। पीएम मोदी में संगम के तट पर लगने वाले महाकुंभ के महात्म्य के बारे में करीब चार मिनट तक बोले। कहा कि महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश का मंत्र सभी लोग आत्मसात करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा की अविरल धारा, न बटे समाज हमारा पर देशवासी चलें। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने वाले विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि अगले वर्ष 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ की जबरदस्त तैयारी चल रही है। कुछ दिन पहले वह प्रयागराज गए थे। वहां हेलीकाप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र की विशालता को देखे थे। बोले, दिल प्रसन्न हो गया। विशाल, सुंदर और भव्यता देख मुग्ध हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ की विशेषता इसकी विशालता ही नहीं, बल्कि विविधता भी है। महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों लोग शामिल होने जा रहे हैं।

लाखों संत होंगे, हजारों परंपराएं, अनेकों अखाड़ों आ रहे हैं, जो अनेकता में एकता का दृश्य दिखेगा, जो पूरे विश्व में कहीं और नहीं। उन्होंने कहा कि यह एकता का महाकुंभ है, जो एकता के मंत्र को सशक्त करेगा। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि महाकुंभ में जाएं तो एकता का संकल्प लेकर ही लौटें।

लखनऊ स्टेशन पर सो रहे यात्रियों पर डाला ठंडा पानी, महिलाएं-बच्चे कांपने लगे

डीआरएम बोले: प्लेटफार्म सोने की जगह नहीं

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर सो रहे यात्रियों पर सफाई कर्मियों ने पानी डाल दिया। कड़ाके की ठंड में पानी गिरते ही बच्चे और महिलाएं कांपने लगे। लोग अपने चादर, कंबल लेकर भागने लगे। इसके बाद भी सफाईकर्मियों ने लोगों पर पानी डाला। घटना शनिवार देर रात की है।

पानी डालकर जगाया और भगा दिया

प्लेटफॉर्म नंबर 8 और 9 पर ट्रेन के इंतजार में सो रहे यात्रियों पर पानी डाला गया। इसके बाद उनको प्लेटफार्म से भगा दिया गया। सोने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल थे, जिन पर इतनी ठंड में पानी डाल दिया गया। सफाईकर्मियों का कहना है कि प्लेटफॉर्म की धुलाई और सफाई के लिए रात में आसानी होती है। लोग सोए रहते हैं तो यह काम नहीं हो पाता। दिन में ट्रैफिक की वजह से धुलाई नहीं हो पाती है। यही वजह थी कि लोगों को हटाने के लिए पानी डाला गया।

प्लेटफॉर्म 8-9 नंबर की ओर मजार है। यहां से चलने वाली ट्रेनों से सफर करने वाले और मजार पर आने वाले लोग अक्सर प्लेटफॉर्म पर ही रुक जाते हैं। रेलवे की तरफ से रात में प्लेटफॉर्म की सफाई की जाती है। वीडियो में दिख रहा है कि प्लेटफॉर्म पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर जगाया गया।

सफाईकर्मियों को फटकारा

जानकारी पर अफसरों ने सफाईकर्मियों को फटकारा और ऐसा दोबारा नहीं करने की हिदायत भी दी।

शनिवार को लखनऊ में हुई थी बारिश लखनऊ में शनिवार सुबह हल्की बारिश हुई और दिन भर बादल छाए रहे। तेज और ठंडी हवाओं की वजह से मौसम में गलन रही। इसी दौरान लोगों पर पानी फेंकने की घटना सामने आई। इसे लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट किए जा रहे हैं

चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट के मामले में हरियाणा सरकार को झटका, पंजाब ने प्रस्ताव पर जताई असहमति

चण्डीगढ़-हरियाणा । हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पीएम नरेंद्र मोदी से हरियाणा के लिए चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट की मांग की थी। उन्होंने यह मांग नई दिल्ली में मुख्यमंत्रियों, न्यायाधीशों के सम्मेलन में रखी थी। पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट की बाट जोह रहे हरियाणा को बड़ा झटका लगा है। हरियाणा सरकार के प्रस्ताव पर पंजाब सरकार ने पूरी तरह से असहमति जताई है। वहीं, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की फुल कोर्ट (पूर्ण न्यायालय बैठक) में भी नतीजा नहीं निकलने पर कोई राय नहीं दी गई। हाईकोर्ट की फुल कोर्ट में न्यायालय से सभी जस्टिस शामिल होकर किसी मुद्दे पर आपसी सहमति के बाद अपना विचार प्रस्तुत करते हैं। फिलहाल, हरियाणा सरकार का अपना अलग हाईकोर्ट का प्रस्ताव टल गया है। यह खुलासा खुद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में किया है। दरअसल, अंबाला से कांग्रेस के लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने अलग हाईकोर्ट को लेकर सवाल पूछा था। सांसद ने पूछा, क्या केंद्र सरकार के पास हरियाणा के लिए अलग से हाईकोर्ट स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है, अगर प्रस्ताव है तो हरियाणा की अलग उच्च न्यायालय स्थापित करने की समय सीमा क्या है। वहीं, अगर ऐसा प्रस्ताव नहीं है तो इसका क्या कारण है। जवाब में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ में राज्य के लिए एक अलग से हाईकोर्ट की स्थापना के लिए अनुरोध किया था। मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट और पंजाब सरकार का विचार मांगा गया था। लेकिन अब हरियाणा के लिए अलग हाईकोर्ट स्थापित करने का प्रस्ताव टल गया है।

मनोहर लाल ने की थी अलग से हाईकोर्ट की मांग

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पीएम नरेंद्र मोदी से हरियाणा के लिए चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट की मांग की थी। उन्होंने यह मांग नई दिल्ली में मुख्यमंत्रियों, न्यायाधीशों के सम्मेलन में रखी थी। उन्होंने मुद्दे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 214 में साफ है कि प्रत्येक राज्य का अलग हाईकोर्ट होना चाहिए। उन राज्यों में भी अलग उच्च न्यायालय है, जो पिछले कुछ दशक में बने हैं। उन्होंने कहा कि सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय में भी अलग उच्च न्यायालय है।

एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल का गठन का मामला विचाराधीन

2019 में हरियाणा एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल का गठन किया था। तब वकील इसके विरोध में आ गए थे और लंबी हड़ताल चली थी। उच्च न्यायालय ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए ट्रिब्यूनल के गठन पर रोक लगा दी थी। तब से ही उच्च न्यायालय में मामला विचाराधीन है और ट्रिब्यूनल का गठन नहीं हो पाया है। ट्रिब्यूनल के पास हरियाणा से जुड़े कर्मचारियों की सेवाओं के मामले जाने थे।

केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में बर्फबारी के बाद मौसम का बदला मिजाज

केदारनाथ। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में लगातार हो रही बर्फबारी के बाद रविवार को हल्की धूप निकली, जिससे तापमान में थोड़ी राहत मिली। हालांकि मौसम में बदलाव हो रहा है और अगले कुछ दिनों में फिर से बर्फबारी और ठंड बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। यह क्षेत्र उच्च पर्वतीय इलाके में स्थित है, जहां मौसम में अचानक परिवर्तन आम बात है। श्रद्धालु और पर्यटक यहां के मौसम से संबंधित सावधानियों को ध्यान में रखते हुए यात्रा करते हैं।

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हुई भारी बर्फबारी के बाद प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। केदारनाथ धाम में इस समय बर्फबारी के कारण डेढ़ फीट तक बर्फ जम चुकी है। इससे क्षेत्र में ठंड और बढ़ गई है और तापमान माइनस में चला गया है। इस कड़ी ठंड और बर्फबारी के कारण केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों में जुटे मजदूर धीरे-धीरे सोनप्रयाग लौटने लगे हैं। बर्फबारी के चलते वहां काम करना कठिन हो गया है और मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें अस्थायी रूप से वापस बुलाया जा रहा है। इन परिस्थितियों में पुनर्निर्माण कार्यों में कुछ देरी हो सकती है।

प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रुद्रप्रयाग जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी जारी है, जिससे निचले क्षेत्रों में भी सुबह और रात के समय ठंड का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। बर्फबारी के कारण तापमान में भारी गिरावट आ गई है और ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। इस स्थिति में लोग विशेष रूप से सुबह और रात के समय गर्म कपड़े पहनने और सतर्क रहने की कोशिश कर रहे हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी का असर निचले इलाकों में भी महसूस किया जा रहा है, जिससे जनजीवन पर भी असर पड़ा है। वहीं उत्तरकाशी के गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में लगभग एक फीट बर्फ जमा होने से निचले इलाकों में भी ठंड बढ़ गई है।

मन की बात अनेकता में एकता के भाव को सशक्त करन वाला : मुख्यमंत्री योगी

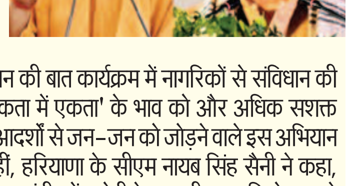

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात क्रार्यक्रम को देशवासियों के लिए प्रेरक बताया।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज मन की बात कार्यक्रम में नागरिकों से संविधान की विरासत से जुड़ने का आह्वान 'अनेकता में एकता' के भाव को और अधिक सशक्त करने वाला है। संवैधानिक मूल्यों व आदर्शों से जन-जन को जोड़ने वाले इस अभियान हेतु प्रधानमंत्री मोदी का आभार। वहीं, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, पंचकुला में बूथ संख्या 96 पर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात एपिसोड सुनने के लिए वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता रमेश राणा के आवास पर एकत्र हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कई प्रेरक बातों का उल्लेख किया, जिसमें मलेरिया और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने में हरियाणा का प्रयास भी शामिल था।

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक 0329/विज्ञापन/बी.ओ.टी./2024-25 दिनांक 28.12.2024

रूचि की अभिव्यक्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर में संचालित ट्रैफिक सिग्नलों के संचालन, अनुरक्षण एवं सुरक्षा हेतु प्रति ट्रैफिक सिग्नल ईकाई दर आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था/एजेन्सी उपरोक्त के सम्बंध में निविदा को उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है, जिन्हें दिनांक 07.01.2025 को अपरान्हः 03.00 बजे तक वेबसाईट से डाउनलोड कर अपलोड करना आवश्यक होगा। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 07.01.2025 सायं 04.00 बजे खोला जाएगा। धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क (नॉन रिफन्डेबिल) को वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर जमा करना अनिवार्य होगा।

विस्तृत निविदा सूचना / नियम व शर्ते http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

प्रभारी विज्ञापन/बी.ओ.टी.
गाजियाबाद नगर निगम

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

03 • नई दिल्ली। सोमवार 30 दिसंबर -2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नगर निगम में आज पार्षद उठाएंगे बजट, कार्यकारिणी बैठक और अधिकारियों के द्वारा उनकी अनदेखी की आवाज

विकास कार्यों की रकम बढ़ाने का भी उठेगा जोर-शोर से मामला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : 30 दिसंबर को गाजियाबाद नगर निगम के सभागार में पार्षदों को आमंत्रित किया गया है। बताया जा रहा है कि गाजियाबाद के अलग-अलग वार्डों के भाजपा पार्षद जल्द से जल्द बोर्ड बैठक के साथ ही कार्यकारिणी नहीं कराए जाने को लेकर नाराजगी जाहिर करेंगे। तो वहीं उनकी मांग है कि विकास कार्यों के नाम पर एक-एक करोड़ रुपए का वादा किया गया था, वह अभी अधूरा है। वहीं नगर निगम के पार्षद अपने वार्ड में लगातार काम ना होने और रुक विकास कार्यों को लेकर नाराजगी भी जाहिर कर सकते हैं। इसके साथ ही अन्य मांगों को भी रखेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के पार्षदों ने अपने एक ग्रुप में सोमवार 30 दिसंबर को नगर निगम सभागार में 11 बजे एकत्रित होने के लिए पार्षदों को आमंत्रित किया है। जिसमें बोर्ड बैठक, विकास कार्यों के बजट सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर महापौर और सदन के साथ बैठक या चर्चा संभव हो सकती है।

पार्षदों ने बनाई व्हाट्सएप कॉल पर बैठक की रणनीति

करंट क्राइम : सूत्रों से जानकारी मिली है कि 30 दिसंबर सोमवार को नगर निगम के सभागार में पार्षदों को एकजुट करने के लिए पूरी रणनीति और प्लानिंग व्हाट्सएप कॉल पर की गई है। इसमें कई पार्षदों द्वारा प्रमुखता से भाग लेते हुए अन्य पार्षदों को आमंत्रित करने के साथ ही अपने विषय और समस्याओं की लिस्ट तैयार की गई है ताकि नगर निगम के पटल पर उसे रखा जा सके और महापौर के माध्यम से रुक विकास कार्यों की शुरूआत करवाई जा सके।

कार्यकारिणी बैठक जल्द कराने की उठेगी मांग

करंट क्राइम : दैनिक करंट क्राइम को सूत्रों से जानकारी मिली है कि नगर निगम के सदन में दर्जनों पार्षद इस बात को लेकर नाराज है कि लंबे समय से बोर्ड की बैठक नहीं हो रही है। वहीं कार्यकारिणी बैठक नहीं होने की वजह से निगम के उपाध्यक्ष वाला मामला और पार्षदों को मिलने वाले बजट में देरी चल रही है। इसी को लेकर नगर निगम के तमाम पार्षद नाराजगी भी जाहिर कर रहे हैं और रणनीति बना रहे हैं कि जल्द से जल्द नगर निगम की बोर्ड बैठक हो ताकि वह अपने क्षेत्र में विकास की गंगा बहा सके।

आज होगा डिसाइड कब, होगी बैठक और कितनी बढ़ेगी विकास कार्यों की धनराशि

करंट क्राइम : नगर निगम के पार्षदों से बातचीत कर जानकारी मिली है कि सोमवार 30 दिसंबर को नगर निगम सभागार में यह तय हो सकता है कि अगली बैठक कब होगी। साथ ही पार्षदों को जो एक करोड़ रुपए विकास कार्यों के लिए मिलने थे उसमें अभी पूरी रकम मिली नहीं है, वहीं बची हुई धनराशि कब तक आवंटित की जाती है और वह कितने लाख रुपये रहेगी।

पार्षदों का दिखेगा आक्रोश, अधिकारी नहीं सुनते हैं उनकी बात

करंट क्राइम : नगर निगम के सूत्रों और पार्षदों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को नगर निगम सदन में पार्षद अधिकारियों की कार्यशैली और पार्षदों की बातों को नजर अंदाज करने को लेकर नाराजगी जाहिर करेंगे। पार्षदों का कहना है कि अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते हैं, ऐसा लग रहा है कि पार्षद रबर स्टैंप हो गए हैं और अधिकारी अपनी मनमर्जी चला रहे हैं। इस दौरान सूत्रों ने बताया है कि सोमवार को होने वाली इस बैठक में अधिकारियों की कार्यशैली में सुधार लाने के लिए पार्षद चेतावनी भी देने का काम करेंगे। सूत्र बता रहे हैं कि सोमवार को नगर निगम सभागार का माहौल गर्मा भी सकता है।

उठ रहा है भगवा गढ़ की राजनीति में जनरली ये सवाल

मिजोरम से लेंगे साहब गाजियाबाद की राजनीति में कितना इंट्रेस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में सुचिता, सिद्धांत और आदर्श जीवनशैली का एक आइना जनरल वीके सिंह भी हैं। वो एक ऐसे सांसद रहे हैं जिन्होंने लगातार दो चुनाव जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड ले जाकर जीते।

वो चुनाव लड़े तो वो किताब आज भी लोगों को याद है जिन्होंने छपवाई थी और जिसमें एक-एक काम का हिसाब था। उनके घर की दीवारों पर विकास कार्यों की लिस्ट चस्पा हुआ थी। जनता की राजनीति में ये पारदर्शिता का सबसे बड़ा उदाहरण है। दस सालों के उनके कार्यकाल में कोई भी आरोप उनपर नहीं लगा और एक शानदारी पारी खेलने के बाद अब जनरल वीके सिंह मिजोरम के राज्यपाल हैं और वहां वो अहम जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल वीके सिंह की एक खासियत ये भी रही कि वो अपने राजनीतिक सिद्धांतों की लक्ष्मण रेखा से आगे कभी नहीं निकले। जिस तरह से अन्य नेता कई मामलों में दखल देते हैं उस तरह से जनरल वीके सिंह कभी संगठन या सरकार के मामलों में दखल नहीं देते। जून से ही उनके समर्थकों में इस बात की बेचैनी थी कि अगर लोकसभा नहीं भेजा गया है तो उन्हें कुछ और मिलेगा। प्रबल कयास इसी बात के थे कि उन्हें किसी भी राज्य का राज्यपाल बनाया जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ और उन्हें मिजोरम का राज्यपाल बनाया गया।

राज्यपाल बनाए जाने के बाद जहां जनरल वीके सिंह के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं जनरल वीके सिंह भी मिजोरम जाने से पहले गाजियाबाद आए। अपने समर्थकों से मिले, बधाई-शुभकामनाएं स्वीकार की।

अब चर्चा इस बात को लेकर उठ गई कि जनरल वीके सिंह के समर्थकों का क्या होगा। क्योंकि जनरल वीके सिंह ने गाजियाबाद में रहते हुए यहां की लोकल राजनीति में ज्यादा इंट्रेस्ट नहीं लिया तो अब क्या वो मिजोरम शिफ्ट होने के बाद गाजियाबाद की राजनीति में इंट्रेस्ट लेंगे। क्योंकि वो अब मिजोरम शिफ्ट हो जाएंगे। ऐसे में ये चर्चा तेजी से चल रही है कि जो चेहरे जनरल के प्रति लोयल है उनका पॉलिटिकल फ्यूचर क्या होगा। क्योंकि राजनीति में कहीं ना कहीं बॉर्डर की तरह तारबंदी तो नहीं होती लेकिन तकरारबंदी हो जाती है। अब अगर जनरल वीके सिंह इंट्रेस्ट नहीं लेंगे तो उनके समर्थकों की राजनीति का भविष्य क्या रहेगा।

समझ रहे हैं भाजपाई कि फर्क तो पड़ता है भाई

करंट क्राइम। जो चेहरे जनरल खेमे के करीबी थे उन्हें नहीं पता था कि सियासत में भी डिस्टेंस आएगा और उनके पॉलिटिकल भविष्य पर भी डिस्टेंस आ जाएगा। अब ऐसे में ये शहर है और उन चेहरों पर नजर है जो जनरल खेमे के लोग माने जाते हैं। बधाई-शुभकामनाओं वाले फोटो संभालकर रखे गए हैं और ये एक तरीके से याद दिलाने के काम आएंगे। कहने वाले यही कह रहें कि कोई कितने भी नारे लगा ले और कोई खुद को कितना भी लॉयल बता ले लेकिन फर्क तो बिल्कुल पड़ता है भाई। जिन्हें अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता है वो अब सीन को बदल रहे हैं। वो चेहरे जानते हैं कि दूरी बढ़ाने में ही भलाई है। जबसे पावर सेंटर शिफ्ट हुआ है तब से भगवा गढ़ की सियास में ही ट्विस्ट गा गया है।

फिर आ गया भाजपा के मंडल अध्यक्षों वाली स्टोरी में होल्ड वाला ट्विस्ट

अब पांच या छह जनवरी को आएगी आधी नहीं बल्कि पूरी लिस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में मंडल अध्यक्षों के चुनाव में भी प्रतिष्ठा का प्रश्न आ गया है। कहीं केंद्रीय मंत्रियों की दखल है तो कहीं संगठन के बड़े पदाधिकारियों की सिफारिश हैं। चार मोहल्लों वाले मंडल का अध्यक्ष बनने के लिये ऐसा भी होगा इसकी तो कल्पना नहीं की गई थी। लेकिन यह हकीकत है कि मंडल अध्यक्ष बनने के लिये मारामरी मच गई है। एक-एक मंडल से दस-दस दावेदार हैं। करंट क्राइम ने पहले ही प्रकाशित किया था कि मंडल अध्यक्ष वाली लिस्ट में बड़े चेहरों के दखल का रायता फैल गया है। ये बताया था कि कुछ मंडलों में महिला चेहरे कमान संभालेंगे और कुछ मंडलों की घोष्णा होल्ड हो जाएगी। ये बताया था कि 49 प्रतिशत नाम पहली में घोषित होंगे और 51 प्रतिशत नाम दूसरी में घोषित होंगे। कई नाम होल्ड हो जाएंगे। सूत्र बताते हैं कि अब एक बार फिर मंडल वाली लिस्ट में बड़े नामों की सिफारिश वाला ट्विस्ट आ गया है। जो मंडल वाली लिस्ट 31 दिसंबर तक घोषित होनी थी वो लिस्ट अब 5 या 6 जनवरी को घोषित होगी। सूत्र बता रहे हैं कि अब आधी-आधी लिस्ट नहीं आएंगी बल्कि पांच या छह जनवरी को एक साथ सभी मंडलों की लिस्ट घोषित होगी। केवल गाजियाबाद में ही नहीं बल्कि पूरे यूपी में भाजपा के सभी मंडलों की घोषणा एक साथ होनी है। मंडलों की लिस्ट के नाम फाइनल हो रहे हैं।

क्या बदल गए हैं लखनऊ में यहां से शॉर्टलिस्ट हुए नाम

करंट क्राइम। भाजपा में वरीयता का बड़ा महत्व है। भाजपा के परिचित से परिचित लोग ये जानते हैं कि यहां अपेक्षित शब्द का क्या महत्व है। भाजपा ने पहले ही ये स्पष्ट कर दिया था कि संगठन चुनाव में खासतौर से मंडल चुनाव में आम सहमति पहली शर्त है और चुनाव शब्द लोकतांत्रित प्रक्रिया का शब्द है। ये इसलिए कहा गया था कि पार्टी के भीतर चुनाव क नाम पर आपस में ही एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी ना होने लगे। उसके लिए वरिष्ठ नेताओं को हर मंडल में चुनाव अधिकारी बनाया गया। बलदेवराज शर्मा और डॉ. वीरेश्वर त्यागी जैसे अनुभवी नेताओं को चुनाव अधिकारी बनाया गया। वहीं बताया ये जाता है कि दावेदारों में अपने-अपने लिंक निकालकर एक-दूसरे पर आरोपों की इंक छिड़कने का काम कर लिया है। किसी पर भीतरघात का आरोप है तो किसी पर खुलेआम बगावत का आरोप है। पुराने सिजरों के साथ पूरा मामला ऊपर तक पहुंचाया गया है। सूत्र बता रहे हैं कि यहां से जो नाम शॉर्टलिस्ट हुए हैं उनमें से कुछ नामों में फेरबदल हो सकता है। कहीं उम्र की सीमा का बैरियर अटक गया है तो कहीं पार्टी विरोधी गतिविधियों का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है और अब इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि शॉर्टलिस्ट नामों में से कुछ नाम बदल गए हों।

10 दिन बाद मिली 400 वर्ष पुरानी चोरी हुई श्रीमद् भागवत गीता

पुलिस को नहीं मिला कोई चोर, पर थ्योरी पर मचा है शोर

गाजियाबाद ,करंट क्राइम : विजय नगर पुलिस द्वारा अथक प्रयास करते हुए लगभग 10 दिन के भीतर 400 वर्ष पुरानी श्रीमद् भागवत गीता को बरामद करने का काम किया गया है। गीता बरामद होने के बाद जहां पुलिस ने पंडित राजेश शर्मा को गीता मिलने की जानकारी दी है, तो पुलिस की थ्योरी को लेकर कमिश्नरेट में एक नया शोर सुनाई दे रहा है। पुलिस को इस ग्रंथ चोरी के मामले में कोई चोर नहीं मिला है, पर पुलिस की चोरी खुलासे पर सवाल उठ रहे हैं। विजयनगर पुलिस ने दावा किया है कि 28 दिसंबर को 6 बजे सूचना मिली कि हिंडन बैराज के पास हिंडन नदी के किनारे एक सफेद रंग का कट्टा जिसका मुंह अधा हुआ है, रखा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस हिंडन बैराज पर जाकर उस कट्टे को खोलकर देखा ,तो उसके अंदर से पंजीकृत मुकदमे की श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ का एक पीले कपड़े में लिपटा मिला हुआ है। जिसे पंडित राजेश शर्मा को दिखाया गया, उन्होंने देखकर बताया कि यह वहीं ग्रंथ है जो 19 दिसंबर को अज्ञात चोरों द्वारा रामलीला मैदान प्रताप विहार से चुरा लिया गया था।

पुलिस को नहीं मिला कोई चोर, पर भगवा पार्षदों के नाम का है शोर

करंट क्राइम : पुलिस ने 10 दिनों के अथक प्रयास और अपनी कहानी के आधार पर ग्रंथ को बरामद करने का काम किया है लेकिन इलाके में भगवा दल वाले दो स्थानीय पार्षदों के बीच ग्रंथ बरामद की और चोरी की कहानी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि एक स्थानीय पार्षद पुलिस की तारीफ कर रहे हैं, तो दूसरे पार्षद पुलिस से संतुष्ट नहीं हुए हैं। कुल मिलाकर पुलिस ने ग्रंथ तो बरामद कर लिया है ,पर उसकी चोरी का किस्सा कहानी के रूप में तब्दील होना शुरू हो गया है। इस मामले में पुलिस के किसी भी स्तर के अधिकारी ने बाइट भी जारी नहीं की है।

विजयनगर थानाक्षेत्र रामलीला मैदान प्रताप विहार का मामला

पुलिस की वार्ता वाली वीडियो हुई वायरल

करंट क्राइम : विजय नगर थानाक्षेत्र में ए-ब्लॉक रामलीला मैदान प्रताप विहार थाना विजयनगर में पंडित राजेश शर्मा निवासी सेक्टर-11 प्रताप विहार अध्यक्ष भारतीय सनातन सेवा संस्थान के द्वारा भागवत कथा आयोजन स्थल से चोरी होने का मामला शांत नहीं हो रहा है। श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ के मामले को लेकर विजयनगर थाना पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच मामले को लेकर जानकारी जुटाना और पुलिस की जांच पड़ताल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें थाना पुलिस इस पूरे मामले के जवाब देती हुई नजर आ रही है।

नकली नोट की गड्डी लगाकर करते थे करोड़ों की ठगी, तीन शातिर गिरफ्तार

डीसीपी सिटी की स्वॉट टीम और कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : डीसीपी सिटी जोन की स्वॉट टीम और घंटाघर कोतवाली पुलिस ने नकली नोटों की गड्डी लगाकर ठगी करने वाले एक इंटरस्टेट गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में शातिर आरोपी मोहम्मद शाहिद, जियाउररहमान और मोहम्मद अली को दबोचा है, तीनों बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से 3900 के असली नोट, 82 लाख 50 हजार रुपए के चूर्ण वाले नोट, 6 आधार कार्ड, एक वोटर आईडी कार्ड, तीन पैन कार्ड, दो ड्राइविंग लाइसेंस, एक एटीएम कार्ड, एक ई-श्रम काड, 5 कीपैड वाले मोबाइल फोन, 5 एंड्राइड फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का दावा है कि यह दिल्ली एनसीआर सहित कई अन्य प्रदेशों में अब तक नकली नोटों की गड्ड़ी के द्वारा करोड़ों रुपए की ठगी कर चुके हैं। एसीपी घंटाघर कोतवाली रितेश त्रिपाठी और थाना प्रभारी कोतवाली अनुराग शर्मा ने प्रेसवार्ता में महत्वपूर्ण जानकारी दीं।

8 नाम वाले मोहम्मद शाहिद की हैं दो बीवी और कई गर्लफ्रेंड

करंट क्राइम : गिरोह का मास्टरमाइंड मोहम्मद शाहिद उर्फ अफजल, उर्फ लल्लन उर्फ राज सिंघानिया, उर्फ राज ,उर्फ लल्लन उर्फ लोकेंद्र उर्फ जुल्फिकार है। इसकी उम्र लगभग 26 साल है। इसकी दो पत्नियां हैं, साथ ही इसने कई गर्लफ्रेंड बनाई हुई हैं। पुलिस ने इसके आठ अलग-अलग नाम वाले आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि इस गिरोह ने कुछ माह पूर्वक मसूरी में एक व्यक्ति को 5 लाख रुपए लेकर 20 लाख रुपए के नकली नोट दिए थे, जो चूरन वाले निकले।

कीपैड फोन यूज करता है गैंग, महीनों से लोकेशन तलाश रही थी पुलिस

करंट क्राइम : स्वॉट टीम इस गिरोह की लोकेशन निकालने के लिए कीपैड वाले नंबरों की जब डिटेल लेने पहुंची तो उसने दिल्ली के त्रिलोकपुरी, भोगल ,अशोक विहार, नंद नगरी के साथ ही नोएडा के सेक्टर-39, 24 और 63 ,ग्रेटर नोएडा और दादरी के कई थानाक्षेत्रों में दबिश देने के साथ पूछताछ की, यह गिरोह यहां पर भी वारदात करता था। पुलिस के लिए उनकी एग्जैक्ट लोकेशन निकालना चुनौती से कम नहीं था। पुलिस ने बताया है कि मोहम्मद शाहिद पर दिल्ली में धोखाधड़ी के तीन, आर्म्स एक्ट के दो ,चोरी के दो, दो अन्य मामलों के साथ कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं।

संपादकीय

इतिहास है साक्षी

मनमोहन सिंह का योगदान, चाहे वित्त मंत्री हो या प्रधानमंत्री, देश की अर्थव्यवस्था को दिशा देने में महत्वपूर्ण रहा है। शासन में पारदर्शिता बढ़ाने और राजनैतिक गरिमा बनाए रखने में उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। उनके दौर की उपलब्धियां और उनके ईमानदार प्रयास सदैव याद रखे जाएंगे।

मनमोहन सिंह ने जब कहा था कि इतिहास उनके मूल्यांकन में वर्तमान के मुकाबले ज्यादा उदार होगा, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। हालांकि किसी भी व्यक्ति के मूल्यांकन का बड़ा आधार उसके योगदान को समय की कसौटी पर कसना भी होता है। फिर भी, अगर मनमोहन सिंह के मन में अपने दौर की वस्तुपरकता को लेकर संदेह था, तो उसे हलके में नहीं लिया जा सकता। जाहिर है, उनके जीवन और योगदान को इस लिहाज से भी देखने की जरूरत है कि उसे देखने, समझने और समझाने में हमारे दौर ने कहां, कितनी और कैसी चूक की।

चमकदार उपलब्धियां चाहे वित्त मंत्री के रूप में हो या प्रधानमंत्री के रूप में, उनके खाते में ऐसी उपलब्धियां दर्ज हैं जिनकी चमक फीकी नहीं पड़ने वाली। बतौर वित्त मंत्री वह देश को लाइसेंस कोटा राज से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर ले गए। पीएम पद के लिए उन्हें चुना भले सोनिया गांधी ने हो, अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा करार को अंजाम तक पहुंचा कर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित कराने का श्रेय पूरी तरह से उनके संकल्प को जाता है।

शासन में पारदर्शिता मनमोहन सिंह निजी तौर पर अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए तो जाने ही जाते रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शासन में पारदर्शिता लाने वाले कई कदम उठाए। उनके कार्यकाल में न केवल राइट टु इन्फॉर्मेशन कानून लाया गया, बल्कि उस पर प्रभावी अमल भी सुनिश्चित कराया गया।

राजनीति में गरिमा : अपने इस विश्वास को वह आजीवन जीते रहे कि काम को ही बोलने देना चाहिए। अपनी मितभाषिता और विनम्रता के जरिए वह राजनीति की गरिमा बढ़ाते रहे। हालांकि इसी वजह से उन पर यह आरोप भी लगा कि वह अपना और अपनी सरकार व पार्टी का ढंग से बचाव नहीं कर पाते। उनके कार्यकाल के दौरान सामने आए स्कैंडल से जो परसेप्शन बना, उसे वह समय रहते खत्म नहीं कर पाए। हालांकि अदालत में वे आरोप टिक नहीं सके। विचारधारा और राजनीति इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र में राजनीति अपने तर्कों से ही चलती है। समाज के नजरिये को विचारधाराएं भी अपने ढंग से प्रभावित करती हैं। ऐसे में अगर नब्बे के दशक में बतौर वित्त मंत्री उनके द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक कदमों को एक खेमा संकीर्ण वैचारिक चश्मे से देख रहा था तो समाज में बन रहे परसेप्शन पर उसका असर पड़ना लाजिमी था। ऐसे ही राजनीति ने भी मनमोहन सिंह की विनम्रता के अपने ही मतलब निकाले। लेकिन इन बातों का प्रभाव, आखिरकार, कितना अस्थायी होता है यह भी मनमोहन सिंह को मिल रही श्रद्धांजलियों ने स्पष्ट कर दिया है।

2029 तक डाक विभाग को मुनाफे में लाने का प्लान
वित्त मंत्री से मिल सिंधिया ने रखा ये प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसार, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसार, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। बैठक में मंत्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट के लिए एक नई विकास योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग लागतों को युक्तिसंगत बनाने और अधिकतम प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। सिंधिया ने दोहराया कि उनका उद्देश्य विभाग को ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान देने के साथ लाभ कमाने वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी बनाना है। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे चल रही बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंगकवायद को वित्त मंत्रालय के निवेश से बहुत फायदा होगा। बैठक में, सिंधिया ने बताया कि हमारे पूंजीगत व्यय के लिए वित्त मंत्रालय से निवेश के साथ, हम देश भर में डाकघरों के बुनियादी ढांचे के विकास और नवीनीकरण के साथ-साथ कर्मचारियों के आवास क्वार्टरों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग प्रक्रियाओं को कुशल और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्वचालन की दिशा में काम किया जाएगा।

मंत्री सिंधिया ने 2007 में डाकघरों के स्वरूप और अनुभव को मानकीकृत किया और डाक सेवकों को कार्यालय उपकरण प्राप्त करने में मदद की थी। 2024 में इस विभाग का कार्यभार संभालने के 6 महीने में, उन्होंने अपनी इंडिया पोस्ट टीम को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराने और विभाग के लिए नवीन रणनीतियों के साथ आने के लिए कहा था। सिंधिया ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि इंडिया पोस्ट अगले 5-7 वर्षों में अपने अधिकांश उत्पादों के लिए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने, राजस्व बढ़ाने और उद्योग में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखता है। उन्होंने बताया कि मेल और पार्सल वर्टिकल में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इंडिया पोस्ट भारत में डाक विभाग का डाक नेटवर्क है, जो देश के संचार और सामाजिक आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस वर्ष की महत्वपूर्ण पहलों में, विभाग ने पीएमए (पार्सल मॉनिटरिंग एप्लीकेशन) शुरू किया है, जो वास्तविक समय पर डिलीवरी की जानकारी साझा करता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2019 से अक्टूबर 2024 तक, जवाबदेह मेल की डिलीवरी में 4.33 लाख पैकेट से 5.35 करोड़ पैकेट तक की उल्लेखनीय हुई है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर तेजी से चल रहा कार्य : केंद्र

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है, जिसके तहत 13 नदियों और कई राजमार्गों पर पुल बनाए जा रहे हैं। इसमें कई रेलवे लाइनों को सात स्टील और प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट पुलों के माध्यम से पार किया जाएगा। यह जानकारी भारतीय रेलवे द्वारा वार्षिक समीक्षा में दी गई। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रोजेक्ट के अंतर्गत 243 किलोमीटर से अधिक पुल निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है, साथ ही 352 किलोमीटर पियर कार्य और 362 किलोमीटर पियर नींव का कार्य भी पूरा हो चुका है। गुजरात में ट्रैक निर्माण का काम तेजी से चल रहा है, आनंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में आरसी ट्रैक बेड का निर्माण कार्य हो रहा है। लगभग 71 किलोमीटर आरसी ट्रैक बेड का निर्माण पूरा हो चुका है और वायडक्ट पर रेल की वेल्डिंग शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पहला कंक्रीट बेस स्लैब 32 मीटर की गहराई पर सफलतापूर्वक डाला जा चुका है, जो 10 मंजिला इमारत के बराबर है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिल्पाता के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग

पर काम चल रहा है, जिसमें मुख्य सुरंग निर्माण की सुविधा के लिए 394 मीटर की इंटरमीडिएट सुरंग (एडीआईटी) पूरी हो चुकी है। पालघर जिले में न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके सात पर्वतीय सुरंगों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। गुजरात में एकमात्र पर्वतीय सुरंग पहले ही सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है।

भारतीय मैन्युफैक्चरर्स अगले दो वर्षों में स्मार्ट टेक्नोलॉजी अपनाने पर करेंगे अधिक खर्च : सीआईआई

नई दिल्ली। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स अगले दो साल में अपने बजट का 11 से 15 प्रतिशत स्मार्ट टेक्नोलॉजी को अपनाने पर खर्च करेंगे। यह जानकारी रविवार को जारी हुई सीआईआई स्टडी में दी गई। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की स्टडी में बताया गया कि ज्यादातर मैन्युफैक्चरर्स मुनाफे और प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए टेक्नोलॉजी को अहम मानते हैं। यह निवेश इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), रोबोटिक्स और बिग डेटा जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगा। सीआईआई के अनुसार, मैन्युफैक्चरर्स का मौजूदा निवेश नरम बन हुआ है, जो कि कुल बजट का 10 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आने वाले दो वर्षों में टेक्नोलॉजी निवेश की बजट में हिस्सेदारी 11 से 15 प्रतिशत होगी।

सीआईआई के मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस काउंसिल के चेयरमैन दीपक शेट्टी ने कहा, भारत का मैन्युफैक्चरिंग परिदृश्य एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जो नई टेक्नोलॉजी को तेजी से अपना रहा है। यह रिपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग को नया रूप देने वाली टेक्नोलॉजी क्रांति की पड़ताल करती है और इस बात पर प्रकाश डालती है कि उत्पादकता और दक्षता को बढ़ाने के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी कितनी आवश्यक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन टेक्नोलॉजी को अपनाकर भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर सकता है और खुद को मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित कर सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग परिदृश्य को नया आकार दे रही हैं। साथ ही अनुकूलन, इनोवेशन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही हैं। सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव जैसे उच्च पूंजी वाले उद्योग इन टेक्लोनॉजी को अपनाने में अग्रणी हैं, जबकि कपड़ा और फूड प्रोसेसिंग जैसे पारंपरिक क्षेत्र धीरे-धीरे डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं।

2025 में एआई और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में होंगी बंपर भर्तियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियां 2025 में 2024 की तुलना में कम से कम 10 प्रतिशत अधिक कर्मचारियों की भर्ती करेंगी। इसमें से ज्यादातर भर्तियां नई टेक्नोलॉजी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में होंगी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। स्टाफिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी सीआईईएल एचआर की रिपोर्ट में बताया गया कि बड़ी भारतीय कंपनियां 2025 में भर्तियों को लेकर आश्वस्त हैं। ज्यादातर कंपनियों की भर्तियां 2024 के स्तर को पार कर सकती है। इसके अलावा कंपनियां कर्मचारियों के कौशल विकास पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा भर्तियां सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप, साइबरसिक्योरिटी, रिन्यूएबल एनर्जी, एआई और जीसीसी में होंगी। इससे पहले फाउंडिट (पूर्व में मॉन्स्टर) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भर्तियों में 9 प्रतिशत वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि उभरती हुई टेक्नोलॉजी और बदलती व्यावसायिक प्राथमिकताएं 2025 में भारत के जॉब मार्केट को आकार देंगी। एज कंप्यूटिंग, क्वांटम एप्लिकेशन और साइबर सिक्योरिटी एडवांसमेंट जैसे इनोवेशन देश की मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और आईटी इंडस्ट्री को बदलने के लिए तैयार हैं। फाउंडिट में मार्केटिंग की वाइस प्रेसिडेंट, अनुपमा भीमराजका ने कहा, ₹2025 के साथ भारत का रोजगार बाजार अपने आकार को बड़ा बनाने के लिए तैयार है। इस दौरान भर्तियों में 9 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। कंपनियां न केवल अनुभवी पेशेवरों की तलाश कर रही हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।
- अवसाद के कारण आपको सामान्य रूप से 3 से 4 गुना अधिक सपने आते है।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4.9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।

राशिफल

मेष: राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

वृष: भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

मिथुन: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे।

कर्क: बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

सिंह: सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या: पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला: नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी।

वृश्चिक: फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर: योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ: अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा।

मीन: अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

चुटकुले

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई।
जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा- इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप ?
महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं।
जज- वो कैसे ?
महिला- इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं
और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं !!!

डॉक्टर का एक पड़ोसी बहुत बड़ा नशेड़ी था और खूब शराब पीता था...
डॉक्टर ने एक दिन उसको समझाते हुए कहा- शराब का नशा आहिस्ता -आहिस्ता इंसान को मार देता है।
नशेड़ी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- तो डॉक्टर साहब मुझे कौन सा मरने की जल्दी है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

7 वीं जिला पुंछ ताइक्वांडो चैंपियनशिप सम्पन्न

पुंछ ताइक्वांडो क्लब बना चैम्पियन

पुंछ । पुंछ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा समर्थित 7वीं पुंछ जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप शनिवार को सम्पन्न हो गई। जिसमें पुंछ ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैंपियन का खिताब कब्जाया।

इस प्रतियोगिता के समापन समारोह में बड़ी संख्या में ताइक्वांडो खिलाड़ियों, गणमान्य नागरिकों एवं खेल प्रेमियों ने भाग लिया। इस समारोह की अध्यक्षता ताइक्वांडो कोच राजेंद्र सिंह और जोनल शारीरिक शिक्षा अधिकारी पुंछ नरेन्द्र सिंह ने की। जबकि बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट सुनील शर्मा और एएसपी पुंछ मोहन शर्मा इसके मुख्य अतिथि रहे।

जबकि विष्णु रैना, सुकृति शर्मा, हिमांशी रैना और गर्विन गुप्ता को जूनियर, सब जूनियर और कैडेट पुरुष और महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

मुख्य अतिथि ने अन्य अतिथियों के साथ के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को मुफ्त ताइक्वांडो वर्दी प्रदान की गई। विजेताओं, उप विजेताओं को पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम की तकनीकी देखरेख राजिंदर सिंह ताइक्वांडो कोच, युवा सेवा और खेल विभाग के राष्ट्रीय रेफरी, जिला रेफरी और राष्ट्रीय पदक विजेता, तौसीफ ताहिर जिला रेफरी और जिला रेफरी, विश्वास सूदन जिला रेफरी, विष्णु रैना जिला रेफरी, कासिम हुसैन जिला रेफरी, श्री हसन जिला रेफरी द्वारा की गई।

प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्रॉफी पुंछ ताइक्वांडो क्लब को मिली, जबकि प्रिशा चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट मंगर उपविजेता रहा और हाई स्कूल शापुर ने द्वितीय उपविजेता ट्रॉफी जीती। नेशनल ताइक्वांडो क्लब की अतीबा फातिमा को पीवी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया

इस अवसर पर खिलाड़ी सुकृति ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं पुंछ अकादमी की खिलाड़ी हूं और मैं एक नेशनल मेडलिस्ट हूं। यहां हाल ही में जिला स्तर पर ताइक्वांडो चैंपियनशिप हुई है जिसमें कई बच्चों ने भागीदारी की है। यहां केवल पुंछ ही नहीं बल्कि अन्य गांवों से भी बच्चे आए थे। यहां पर एएसपी भी आए थे जिन्होंने हमें शुभकामनाएं दी।

देश में खेल और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियां हो रही हैं

बस्तर ओलंपिक के जरिए नई क्रांति ने लिया जन्म : पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र में भारत की प्रगति पर गर्व जताया। उन्होंने कई सरकारी योजनाओं और खेल-कूद को बढ़ावा देने वाले अभियानों का उल्लेख किया।

अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 117वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा, इस सर्दी के मौसम में पूरे देश में खेल और फिटनेस से जुड़ी कई गतिविधियां हो रही हैं। मुझे खुशी है कि लोग अपनी दिनचर्या में फिटनेस को शामिल कर रहे हैं।

उन्होंने देश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह की चर्चा करते हुए कश्मीर में स्कीइंग और गुजरात में पतंगबाजी जैसे उदाहरण दिए। साथ ही, 'संडे ऑन साइकिल' और 'साइकिलिंग ट्यूजडे' जैसे अभियानों की तारीफ की, जो साइकिलिंग को फिटनेस का हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए इसे

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में एक नई क्रांति बताया। यह इलाका पहले माओवाद से प्रभावित था, लेकिन अब खेलों के माध्यम से एक नई ऊर्जा पा रहा है।

उन्होंने कहा, बस्तर ओलंपिक के जरिए बस्तर में एक नई क्रांति जन्म ले रही है। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि यह सपना साकार हुआ। बस्तर ओलंपिक का शुभंकर 'जंगली भैंसा' और 'पहाड़ी मैना' बस्तर की समृद्ध संस्कृति को दशार्ते हैं। इस महाकुंभ का मंत्र है 'करसे ता बस्तर, बरसे ता बस्तर,' यानी बस्तर खेलेगा, बस्तर जीतेगा।

पीएम मोदी ने बताया कि इस आयोजन में सात जिलों से 1.65 लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्होंने इसे युवाओं के संकल्प और सफलता की प्रेरक कहानी बताया।

बस्तर ओलंपिक में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल जैसे खेल शामिल थे, जिनमें युवाओं ने अपना हुनर दिखाया।

उन्होंने बस्तर ओलंपिक के प्रेरणादायक प्रतिभागियों की कहानियां भी साझा की। जैसे - तीरंदाजी में सिल्वर मेडल विजेता करी कश्यप, जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल विजेता पायल कवासी, और सुकमा के व्हीलचेयर रेसर पूनम सन्ना, जिन्होंने नक्सल प्रभाव से बाहर निकलकर मेडल जीते। इसके अलावा कोडागांव की तीरंदाज रंजू सोरी को 'बस्तर यूथ आइकन' के रूप में चुना गया।

अर्शदीप सिंह आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकित

दुबई । भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए चुना गया है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीता था।

अर्शदीप सबसे छोटे प्रारूप के वार्षिक सम्मान के लिए जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम से मुकाबला करेंगे। जसप्रीत बुमराह के चुनिंदा टी20 प्रदर्शनों ने अर्शदीप को इस प्रारूप में भारत के मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने का मौका दिया है। अर्शदीप ने 2022 में 18 मैचों में 36 विकेट लिए, जो भुवनेश्वर कुमार के 37 से सिर्फ.एक पीछे है, लेकिन काफी कम मैचों में।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की कमी को पूरा करते हुए अर्शदीप ने सभी परिस्थितियों में मैच जीतने वाले प्रदर्शन किए, जिसमें भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। उनका सबसे बेहतरीन पल फाइनल में आया, जहां उन्होंने एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक को आउट किया और 19वां ओवर फेंका, जिससे रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने दूसरा टी20 खिताब जीता।

रजा जिम्बाब्वे के लिए चमकते रहे, लगातार तीसरे साल शॉर्टलिस्ट में जगह बनाई। 39 वर्षीय ऑलराउंडर ने पुरुष टी20 विश्व कप उप-क्षेत्रीय अफ्रीका क्वालीफायर ग्रुप बी में अपनी टीम को अजेय रन पर पहुंचाया, जिसमें उन्होंने 199 रन बनाए और 10 विकेट लिए।

उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन इस वर्ष जुलाई में टी20 सीरीज में भारत के खिलाफ रहा, जहां उन्होंने मुश्किल पिच पर 25 रन देकर 3 विकेट लिए और 13 रन से जीत सुनिश्चित की, तथा महत्वपूर्ण साझेदारियों को तोड़कर उलटफेर की पटकथा लिखी।

बाबर 2023 में पाकिस्तान के सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, उन्होंने छह अर्द्धशतक लगाए और 133.21 की स्ट्राइक रेट बनाए रखी। वह रोहित शर्मा को पछाड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के करीब हैं। आयरलैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 75 रनों की उनकी बेहतरीन पारी ने पाकिस्तान को सीरीज जीतने में मदद की।

पिंडलियों में खिंचाव के कारण जोश इंगलिस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से बाहर

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंगलिस पिंडलियों में हुए खिंचाव के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। इंगलिस मेलबर्न टेस्ट में खेल तो नहीं रहे हैं, लेकिन तीसरे दिन सब्स्टीट्यूट फील्डिंग के दौरान उन्हें यह खिंचाव महसूस हुआ।

इस वजह से वह सिडनी टेस्ट से बाहर रहेंगे और ऑस्ट्रेलिया जल्द ही उनकी जगह किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा कर सकता है। यह रिप्लेसमेंट नेथन मैक्सवीनी हो सकते हैं, जो इस सीरीज के पहले तीन टेस्ट मैचों में बतौर सलामी बल्लेबाज खेले थे। मैक्सवीनी ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में नंबर तीन या चार पर खेलते हैं।

इस चोट के कारण अब इंगलिस के इस सीजन बीबीएल का भी आगे हिस्सा होने पर संदेह हो गया है। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद होगी कि वह अगले महीने के आखिर में होने वाले श्रीलंका टेस्ट दौरे तक फिट हो जाएंगे। श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया एक तैयारी कैंप के लिए यूएई जाएगा, जिसके लिए अभी 22 दिन बाकी है।

तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन भी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट दल के साथ बने रहेंगे। शनिवार को तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीठ दर्द की शिकायत उभरी थी और उन्होंने मैदान में ही उपचार लिया था।

50 मीटर राइफल 3पी (महिला) में आशी चौकसे बनीं नई राष्ट्रीय चैंपियन

भोपाल । स्थानीय खिलाड़ी आशी चौकसे ने अपनी पहली राष्ट्रीय खिताबी जीत दर्ज की और 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं के महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस (3पी) फाइनल में पंजाब की अंजुम मुद्गिल को हराया।

आशी ने शानदार 466.7 अंक के साथ जीत हासिल की जो कि दो बार की ओलंपियन अंजुम से 3.1 अंक अधिक था। महाराष्ट्र की उभरती हुई प्रतिभा साक्षी सुनील पडेकर ने 451.3 अंक के साथ कांस्य पदक जीता और फिर जूनियर महिला 3पी में भी सिल्वर जीतते हुए दिन का सफल समापन किया।

आशी जो पिछले दो वर्षों से बेहतरीन फॉर्म में रही हैं और पेरिस ओलंपिक ट्रायल्स का हिस्सा भी थीं, ने एक मजबूत 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल किया और आठ महिला प्रतिस्पर्धियों के मैच में प्रवेश किया।

महाराष्ट्र की भक्ति भास्कर खामकर ने क्वालीफिकेशन में शानदार 592 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि अंजुम ने 590 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें आशी से अधिक 10 रिंग के अंदर हिट्स थे। साक्षी ने छठा स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरी ओलंपियन श्रियंका सादंगी ने सातवां स्थान प्राप्त किया।

हालांकि, फाइनल में आशी ने कोई भी प्रतिद्वंद्विता स्वीकार नहीं की,

पहले नीलिंग पोजीशन के बाद ही अंजुम से 2.3 अंकों की बढ़त बना ली, जिसे उसने दूसरे प्रोन पोजीशन के 15 शॉट्स के बाद भी बनाए रखा। इसके बाद, आखिरी स्टैंडिंग पोजीशन के 10 शॉट्स के बाद यह अंतर 2.9 अंक तक बढ़ गया और कुछ हाई 9 के बावजूद, परिणाम कभी भी संदेह के बाहर नहीं था।

जूनियर महिला 3पी में कर्नाटक की अनुष्का एच ठोकुर ने 460.5 अंक के साथ साक्षी को हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि साक्षी ने 456.3 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा की निशचल, जो पिछले साल आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत के लिए रजत पदक जीत चुकी हैं, ने 443.9 अंक के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया।

कैच छोड़ने पर जायसवाल के प्रति अपनी प्रतिक्रिया के लिए कप्तान रोहित आलोचनाओं के घेरे में

मेलबर्न । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन तीन कैच छोड़ने वाले अपने युवा साथी यशस्वी जायसवाल के प्रति गुस्से में बॉडी लैंग्वेज दिखाने के बाद प्रसारकों की आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं

जायसवाल, जो आम तौर पर थर्ड स्लिप और गली कैचर के तौर पर जाने जाते हैं, ने पहले लेग गली में दो रन पर उस्मान ख्वाजा का कैच छोड़ा था। दूसरे सत्र में, जसप्रीत बुमराह द्वारा तीन विकेट चटकाने के बाद, मार्नस लाबुशेन 46 रन पर आकाश दीप की गेंद पर स्लिप में जायसवाल के हाथों में कैच दे बैठे।

लेकिन जायसवाल ने एक आसान कैच छोड़ा, जो दिन का उनका दूसरा कैच छूटने का मौका था। लाबुशेन का कैच छोड़ने पर रोहित ने

गुस्से में अपनी बाहें फैलाईं और फिर युवा खिलाड़ी की ओर गुस्से में देखा।

विराट कोहली भी अपनी प्रतिक्रिया में गुस्से में दिखे, जबकि आकाश ने युवा खिलाड़ी के प्रति कुछ अपशब्द कहे।

लीजेंड 90 लीग में नई फ्रेंचाइजी के रूप में दिल्ली रॉयल्स का अनावरण

नई दिल्ली । दिल्ली रॉयल्स का फरवरी 2025 में शुरू होने वाली लीजेंड 90 लीग की नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में आधिकारिक रूप से अनावरण किया गया है।

टीम की घोषणा के साथ ही इसके आकर्षक लोगो का भी अनावरण किया गया, जो ताकत, लचीलापन और वीरता का प्रतीक कवच ढाल का चित्रण है। टीम की लड़ाई की भावना और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ने के लिए डिजाइन की गई यह ढाल रॉयल्स की चुनौतियों का दृढ़ संकल्प के साथ सामना करने की तत्परता को दशार्ती है।

लीग में सात फ्रेंचाइजी शामिल होंगी और 90 दिग्गज खिलाड़ियों के कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी को उत्तर

भारत के सबसे बड़े हाईवे हॉस्पिटैलिटी ब्रांड मन्नत ग्रुप ने अधिग्रहित किया है।

मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा, ₹मन्नत ग्रुप में हम युवाओं को प्रेरित करने और उन्हें आगे बढ़ाने वाले अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं। दिल्ली रॉयल्स सिर्फ.एक टीम नहीं है; यह युवा दिमागों को क्रिकेट के जुनून, अनुशासन और विरासत से जोड़ने का एक मंच है। हमारा लक्ष्य लाखों प्रशंसकों को प्रेरित करना और उन्हें इस अभिनव प्रारूप के माध्यम से क्रिकेट की विरासत से जोड़ना है।₹

लीजेंड 90 लीग, अपने अभिनव 90-गेंद प्रारूप के साथ। इस महीने की शुरूआत में, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर हरभजन सिंह ने लीग के लॉन्च कार्यक्रम में शिरकत की। लीजेंड 90 लीग के ब्रांड एंबेसडर के रूप में, हरभजन ने इस पहल के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया, प्रशंसकों को खेल और उनके पसंदीदा क्रिकेट दिग्गजों के करीब लाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला।

पीएम मोदी ने कोनेरू हम्पी को दी बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 फिडे महिला विश्व रैपिड चैम्पियनशिप जीतने पर कोनेरू हम्पी को बधाई दी है।

भारत की शीर्ष रेटेड महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने रविवार (भारतीय समयानुसार) को न्यूयॉर्क में 8.5/11 के स्कोर के साथ टूनामेंट समाप्त करते हुए अपना दूसरा विश्व रैपिड खिताब हासिल किया।उन्होंने मॉस्को में 2019 संस्करण में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था।

पीएम मोदी ने कोनेरू को बधाई देते हुए कहा कि उनकी दृढ़ता और प्रतिभा लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यह जीत और भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह उनका दूसरा विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब है, जिससे वह यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बन गई हैं।

फाइनल, 11वें राउंड की शुरूआत में शीर्ष पर सात-तरफा मुकाबले में, कोनेरू जीत हासिल करने वाली एकमात्र खिलाड़ी के रूप में उभरीं। काले मोहरों से खेलते हुए, उन्होंने चुनौतीपूर्ण एंडगेम में इंडोनेशिया की इंटरनेशनल मास्टर इरीन खारिस्मा सुकंदर को मात दी और शानदार अंदाज में खिताब अपने नाम किया।

कोनेरू ने जीत के बाद कहा,37 साल की उम्र में विश्व चैंपियन बनना आसान नहीं है। जब आप बूढ़े हो जाते हैं तो प्रेरणा बनाए रखना और जरूरत पड़ने पर तेज बने रहना काफी मुश्किल होता है। मुझे खुशी है कि मैंने यह कर दिखाया।"

उन्होंने कहा, मैं दूसरी बार जीत कर बहुत खुश हूं। वास्तव में, मुझे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी क्योंकि मैं अपना पहला राउंड गेम हार गई थी, और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं विश्व चैंपियन के रूप में टूनामेंट खत्म कर पाउंगी। यह जीत बहुत खास है। जब मैं अपने निचले स्तर पर होती हूं, तो मुझे लगता है कि इसने मुझे लड़ने और शतरंज पर फिर से काम करने के लिए प्रेरित किया।"

कोनेरू की जीत 2024 में भारतीय शतरंज की शानदार सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ती है, इससे पहले देश ने इस गर्मी में शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला प्रतियोगिता दोनों में स्वर्ण पदक जीता था, और गुकेश डी ने शास्त्रीय शतरंज में विश्व चैंपियन का खिताब जीता था। गुकेश ने कल पीएम मोदी से मुलाकात की थी और उन्हें वह शतरंज की बिसात भेंट की थी ।

भारतीय आक्रमण के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए निचले क्रम को श्रेय दिया जाना चाहिए: लाबुशेन

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने भारत के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट में अपनी बढ़त को बढ़ाने के लिए निचले क्रम के अंतिम प्रयास को श्रेय दिया, जबकि रविवार को जसप्रीत बुमराह की अगुआई में मेहमान तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

इससे पहले, लाबुशेन ने मैच में अपना लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया और कमिंस के साथ सातवें विकेट के लिए 57 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी भी की।

हालांकि, लाबुशेन (70), मिशेल स्टार्क (5) और कमिंस के विकेटों ने भारत के लिए गति प्राप्त करने के द्वार खोले, लेकिन लियोन और बोलैंड के बीच नाबाद साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रुख मोड़ दिया।

आईसीसी ने लाबुशेन के हवाले से कहा, हमारे लिए सबसे सही परिणाम शायद आज रात गेंदबाजी करना और उन्हें दबाव में डालना होता। लेकिन जिस तरह से विकेट ने खेला और जिस तरह से भारत ने गेंदबाजी की और पहले 40 से 50 ओवरों में हमें दबाव में डाला, तब हमारे लिए कोई विकल्प नहीं था।"

उन्होंने कहा, यह हो गया, चलो जितना हो सके उतने रन बनाते हैं और यह स्पष्ट रूप से अब एक अच्छे कुल में बदल रहा है, लेकिन एक समय ऐसा था जब यह 250 या 270 (रन लीड) या शायद कुछ समय के लिए इससे भी कम हो सकता था। इसलिए मुझे लगता है कि हमने इसे वास्तव में अच्छी तरह से संभाला और निचले क्रम को बहुत श्रेय दिया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अंतिम भाग को कैसे प्रबंधित किया।"

चौथे दिन के पहले सत्र में भारत को 369 रनों पर आउट करने के बाद ऑस्ट्रेलिया 91/6 पर लड़खड़ा रहा था, लेकिन पैट कमिंस (41), नाथन लियोन (नाबाद 41) और स्कॉट बोलैंड (नाबाद 10) के योगदान ने स्टंप्स तक उन्हें 228/9 पर पहुंचा दिया, जिससे उनकी बढ़त 333 रनों पर पहुंच गई

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 2021 में गाबा में चौथी पारी में रन चेज करने के भारत के यादगार प्रदर्शन को दोहराने की संभावनाओं को भी खारिज कर दिया, जहां ब्रिस्बेन के गाबा में मेहमान टीम ने 328 रनों का पीछा करते हुए शानदार जीत दर्ज की थी।

लाबुशेन ने रविवार को याद किया, गाबा का वह विकेट सपाट था। याद करने के लिए वहां कुछ दरारें दिखाई दे रही थीं, लेकिन विकेट अपने आप में बहुत अच्छा था। मुझे वह विकेट याद है ।

नववर्ष समारोह : 'बढ़ते कदम' योजना के तहत उत्थान फाउंडेशन ने बांटी खुशियां

मोदीनगर, करंट क्राइम। उत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत पढ़ रहे जरूरतमंद बच्चों के साथ नववर्ष का जश्न धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य अतिथि अनिल बंसल विधायक, डॉ0 मंजू शिवाच व नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ0 सोनिका जैन ने बताया कि बढ़ते कदम योजना के तहत बच्चों ने जो कुछ सीखा था, उसे उपस्थित सभी लोगों के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में नीरज गर्ग, रीता दोढी, खुशबू बंसल, आकांक्षा त्यागी, लोकेश दोढी, वीरेंद्र त्यागी व पार्षद राहुल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एनजीओ के ट्रस्टी सुनीत जैन व देवेंद्र ढींगरा भी मौजूद थे। इन सभी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उत्थान फाउंडेशन के प्रयासों को सराहा। संस्था के अध्यक्ष सीए राहुल जैन ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग की शिक्षा देना था, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना भी था। मंच संचालन रचना जैन ने किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनों ने बच्चों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में गजाला बारी, सपना गुप्ता, सोनिया गर्ग, शिप्रा जैन, रितु अग्रवाल, कामाक्षी महेश्वरी, रिचा महेश्वरी, शशि ढींगरा, कविता गुप्ता, अलका चैधरी, रिंकी कंसल, ज्योति रानी, क्षमा गुप्ता, मीनाक्षी शर्मा व अंशिका शर्मा का पूर्ण सहयोग रहा।

30 दिसंबर को किसानों की महापंचायत

राकेश टिकैत बैठक को संबोधित करेंगे, भूमि

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा में एक बार फिर किसानों की महापंचायत होने जा रही है। सोमवार को यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर यह महापंचायत होगी। संयुक्त मोर्चा के सभी किसान इसमें शामिल होंगे और इस महापंचायत में चौधरी राकेश टिकैत भी पहुंचेंगे। तीनों प्राधिकरण के खिलाफ यह महापंचायत होगी जहां पर किसान अपनी मांगों को लेकर आगे की तैयारी करेंगे। संयुक्त मोर्चे की ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर 30 दिसंबर को होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए आज संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी और पुलिस प्रशासन के लोग यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर पहुंचे और उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया।

भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि प्राधिकरण ने किसानों को 64.7 परसेंट मुआवजा एवं 10% प्लॉट नहीं दिए हैं एवं 2013 भूमि बिल अधिग्रहण लागू नहीं किया है। जिन मुद्दों पर पिछले काफी समय से किसान आंदोलन कर रहे हैं। 25 नवंबर से संयुक्त मोर्चे का धरना चल रहा था। सरकार एवं प्राधिकरण की गलत नीतियों के द्वारा धरने को खत्म करने का प्रयास किया और हमारे संयुक्त मोर्चे के साथियों को जबरदस्ती उठाकर जेल में बंद कर दिया। गौतम बुद्ध नगर के किसानों को मुद्दे से भटकाने का कार्य किया। जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, जब तक किसान आंदोलन करते रहेंगे इस । उन्होंने कहा अभी नहीं मांगों को लेकर 30 दिसंबर को महापंचायत होने जा रही है इस महापंचायत में राकेश टिकैत भी शामिल होंगे। गौरतलब है कि इस महापंचायत में गौतम बुद्ध नगर के 10 से ज्यादा संगठन हिस्सा ले रहे हैं।

हैंडलूम फैक्ट्री में लगी आग, 10 लाख का सामान जलकर राख

सूचना देने के बाद भी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची

मुरादनगर (करंट क्राइम)। मुरादनगर की ममता वाली कॉलोनी में देर रात दो बजे के आसपास हैंडलूम पावरलूम फैक्ट्री में आग लग गई। आग की चपेट में आकर दस लाख से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि सूचना देने के बाद भी दमकल की गाड़ी नहीं पहुंची। फैक्टरी मालिक ने बिजली की हाईटेंशन से निकली चिंगारी से आग लगने की बात कही है। स्थानीय लोगों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नगर की कृष्णानगर कॉलोनी हकरन बंसल की ममतावाली कॉलोनी में रामलखन हैंडलूम फैक्ट्री स्थित है। फैक्ट्री में दिन में काम किया जाता। रात को दो बजे के आसपास गार्ड पप्पू ने हरकरन बंसल को सूचना दी कि फैक्टरी के अंदर से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही फैक्टरी स्वामी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में लग गए। दो घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया। फैक्ट्री स्वामी हरकरन बंसल ने बताया कि फैक्ट्री के बाहर से हाईटेंशन लाइन निकल रही है। हाईटेंशन की लाइन से निकली चिंगारी विद्युत मीटर से जा टकराई और आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग लगने से दस लाख से अधिक का कपड़ा जलकर राख हो गया।

पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या की पुलिस से कहाः एक आदमी से थे अवैध संबंध

नोएडा (करंट क्राइम)। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में एक पति ने अपनी पति की पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद ही पुलिस को फोन करके अपनी पत्नी की हत्या के बारे में बताया और उसने तीन लोगों पर शक भी जताया लेकिन पुलिस के पहुंचते ही वह वहां से गायब हो गया। पुलिस ने फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेज दिया है। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के बादोली गांव में एक किराए के मकान में रहने वाली एक महिला की गला दबाकर हत्या कर दी गई। 28 दिसंबर को करीब 9 बजे महिला के पति के द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई कि मेरी पत्नी की किसी ने गला दबाकर हत्या कर दी है। इस मामले में मृतका के भाई की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और मौके पर जाकर पूछताछ की तब महिला के पति चुन्नीलाल ने तीन व्यक्तियों पर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी दौरान महिला का पति मौके से गायब हो गया।

पुलिस को उस पर शक हुआ, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को सर्विलांस की मदद से पकड़ लिया और जब उससे सख्त से पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि मेरी पत्नी के मेरे गांव के रहने वाले एक व्यक्ति से अवैध संबंध थे। मैंने कई बार उसको मना किया लेकिन वो नहीं मानी। उसी से परेशान होकर रात में मैंने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और अब मैं नौकरी का बहाना बनाकर बाहर चला गया था। फिलहाल पुलिस ने महिला के आरोपी पति चुन्नीलाल को गिरफ्तार कर लिया है और उसे जेल भेज दिया है।

धार्मिक ग्रंथ बरामद होने पर किया थानाध्यक्ष का स्वागत सम्मान

साहिबाबाद, करंट क्राइम। प्रताप विहार रामलीला मैदान में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान व्यास पीठ से 19 दिसंबर को चोरी की गई श्रीमद्भागवत महापुराण को स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन द्वारा बरामद कर आज हरिद्वार से आए संतों के सानिध्य में श्रीकृष्णा संजय महाराज कथा वाचक को प्रताप विहार रामलीला मैदान में हुई हिंदू महासभा के दौरान विजयनगर थाना अध्यक्ष बृजेश कुमार तथा उनकी टीम के द्वारा श्रीमद्भागवत महापुराण हजारों भक्तों की उपस्थिति में सौंप दी गई। महासभा को संबोधित करते हुए कृष्णा संजय महाराज ने कहा आज श्रीभागवत महापुराण हमारे पास है तो इसमें सबसे बड़ा योगदान स्थानीय पुलिस प्रशासन का है जिनके अथक प्रयासों से श्रीमद्भागवत महापुराण बरामद हुई जिसकी वजह से आज चारों तरफ हर्ष और खुशी का माहौल है जिसके लिए हम सभी पुलिस अधिकारी एवं प्रशासन को बहुत-बहुत बधाई एवं आभार प्रकट करते हैं। सभा में उपस्थित पं. राजेश शर्मा, सतबीर बेसोया, बीके शर्मा हनुमान, यतेंद्र नागर, योगेंद्र वशिष्ठ, पंकज गोयल, पार्षद संतोष राण,ा धर्मेंद्र गुर्जर, राजीव चौहान, अंबुज चौहान, प्रदीप जादौन, भरत शर्मा, डॉ. आरपी शर्मा, अमृता मौर्य, सरिता यादव, हेमा नेगी, रेखा डिमरी, भावना शर्मा, रुचि वार्ष्णेय, सुमन नौटियाल आदि श्रीमद्भागवत महापुराण बरामद करने वाली विजयनगर थाना अध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह एवं समस्त टीम को पूज्य कृष्णा संजय महाराज एवं आयोजक मंडल के द्वारा माल्यार्पण स्वागत कर सम्मानित किया गया।

कमिश्नरेट में शुरु है एक और आईपीएस की ट्रेनिंग

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में बीते कुछ दिनों से एक एएसपी स्तर के आईपीएस अधिकारी की ट्रेनिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि वह आजकल अलग-अलग सर्किल और मामलों की जानकारी जुटाने का काम कर रहे हैं। वह पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के शहर वाले सबसे टफ व महत्वपूर्ण माने जाने वाले सर्किल में भी आ जा रहे हैं। वर्तमान में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में अधिकारियों और थाना प्रभारी से कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में आईपीएस स्तर के अधिकारी हैं। जिसमें तीन अधिकारी डीसीपी स्तर के, दो एएसपी स्तर के, एक एडिशनल सीपी और एक कमिश्नर स्तर के साहाब मौजूद हैं। इससे पहले भी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आधा दर्जन से अधिक आईपीएस अधिकारियों की संख्या रही है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि साल 2025 में गाजियाबाद से एक और आईपीएस अधिकारी का नाम जुड़ने वाला है। सूत्रों द्वारा कहा जा रहा है कि आईपीएस अधिकारियों की डीपीसी हो चुकी है और बहुत जल्द जनवरी में लिस्ट जारी होने की प्रबल संभावनाएं हैं। इसके बाद गाजियाबाद में एक और डीआईजी स्तर के अधिकारियों को चार्ज दिया जा सकता है। उधर लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि पश्चिम से लेकर पूर्व तक तमाम तरीके की चर्चाएं चल रही हैं, पर असली हलचल और हकीकत लिस्ट आने के बाद ही क्लियर होगी। वैसे लिस्ट को लेकर अंतिम निर्णय एक या दो की रात को ही होगा। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में इन दिनों जोन से लेकर एक सर्किल और अन्य जिम्मेदारियों को आईपीएस स्तर के अधिकारी बखूबी निभाने का काम कर रहे हैं। आज से वैसे भी तीन दिन का पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का विशेष चेकिंग अभियान नए साल को लेकर चलेगा। वैसे इसे 26 दिसंबर से ही प्रभारी बनाया गया था। कहा जा रहा है कि नए साल के आगाज को लेकर बाजारों से लेकर मॉल, रेस्टोरेंट और क्लबों में माहौल बनने लगा है। पुलिस ने उसे रोकने के लिए तमाम तरीके की तैयारियां और तैनाती की हैं। देखना होगा 30, 31 और एक जनवरी का रिजल्ट क्या रहता है। तो वही जिस तरीके से आईपीएस स्तर के अधिकारी की ट्रेनिंग शुरू हो गई है, उसके बाद कहा जा रहा है कि इस बार की परेड में दो एएसपी में से ही कोई परेड की कमान संभालेगा। देखना होगा कि यहां नारी शक्ति का डंका बजेगा या पुरुष पर भरोसा जताया जाएगा।

निष्काम भवन में शहीदी सप्ताह के समापन पर विशेष आयोजन

साहिबजादों की याद में छोटे बच्चों को गर्म कंबल, टोपे एवं जुराबों का किया गया वितरण

मोदीनगर, करंट क्राइम। निष्काम सेवक जत्था समिति द्वारा शहीदी सप्ताह के समापन पर गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में एक विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में अनेक नन्हे-मुन्हे बच्चों को ठिठुरती ठंड से बचाव हेतु गर्म कंबल, गर्म टोपे व गर्म जुराबे इत्यादि भेंट किए गए। निष्काम सेवक जत्था समिति के अनुसार इस आयोजन के माध्यम से उन्हे शूरवीर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में गोविंदपुरी चौकी के नवनियुक्त प्रभारी राजेन्द्र पाल सिंह सहित शहर के अनेक गणमान्य व प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का राष्ट्रीय चुनाव संपन्न

महासचिव बनने पर फूलमाला, अंगवस्त्र व पौधा भेंट कर अभिनंदन किया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ की पंचवर्षीय निर्वाचन प्रक्रिया पंजाब के अमृतसर में संपन हुई जिसमें पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधावा, तेलंगाना विधानसभा के पूर्व स्पीकर व विधायक मधुसूदन कोडोचार्य, बिहार विधानसभा सदस्य जीवन वर्मा, धनोल्टी उत्तराखंड विधायक प्रीतम सिंह पवार, विधायक अमन शेर सिंह शेरी सहित देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रक्रिया 20 दिसम्बर को आरम्भ होकर 23 दिसंबर तक चली।

उपस्थित प्रतिनिधियों ने आम सहमति से पंजाब राज्य के यशपाल चौहान को अध्यक्ष व उत्तरप्रदेश के रवि वर्मा को राष्ट्रीय महासचिव चुना गया।

स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए जिला महासचिव सचिन सोनी ने कहा कि ये हमारे लिए खुशी की बात है कि हम सभी के प्रिय रवि वर्मा एक बार पुनः राष्ट्रीय महासचिव बने हैं। उन्होंने कहा, सभी स्वर्णकार भाइयों के सुख-दुख में हमेशा उनके साथ खड़े रहने के कारण ही रवि ने स्वर्णकार समाज में अपना एक अलग स्थान बनाया है।

स्वागत करने वालों में धर्मपाल वर्मा, प्रवीण वर्मा, नीरज वर्मा, अमित वर्मा, राजेश वर्मा, राहुल वर्मा, अनीश वर्मा, अनिरुद्ध वर्मा, सत्यनारायण वर्मा, सोनू वर्मा, विपिन वर्मा व अभिषेक वर्मा आदि उपस्थित रहे।

चिरोड़ी रोड पर गायत्री अस्पताल का हुआ उद्घाटन

लोनी, करंट क्राइम। लोनी क्षेत्र चिरोड़ी रोड पर बंथला पुलिस चौकी के बराबर में स्थित गायत्री अस्पताल का गाजियाबाद भाजपा जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान एवं ब्लॉक प्रमुख वंदना गुर्जर पति कोमल गुर्जर ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस दौरान डॉ. नितिन गर्ग एमबीबीएस एमडी फिजिशियन ने हिंदी संवाद न्यूज के गाजियाबाद ब्यूरो चीफ बबलू गर्ग को बताया कि चिरोड़ी रोड पर अस्पताल खोलने का एकमात्र उद्देश्य है कि जितने भी आसपास के गांव और कॉलोनी के लोगों को किफायती दामों पर बेहतर इलाज मिल सके। इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा नेता करतार सिंह निठौरा, कर्नल अतर सिंह निठौरा, सत्तू प्रधान निठौरा, सभासद गजेंद्र बंसल अगरौला, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय भाटी, बागपत जिला पंचायत सदस्य, मनु पाल बंसल, सतबीर बैसोया, भाजपा नेता वीरेंद्र निठौरा, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र गुर्जर (गुरुजी) राष्ट्रीय महासचिव गजब पाभी, जिला अध्यक्ष सोनू मावी, जिला महासचिव राणा गुर्जर निठौरा, रोहतास गर्ग, पवन गर्ग, समाजसेवी गुड्डू गर्ग, शिवम गर्ग, देव गर्ग, वार्ड 42 के सभासद सुनीता सोम पति राजेश सोम, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद गर्ग, पत्रकार कौशल शर्मा, पत्रकार जयवीर मावी, संपादक सोनू वर्मा, ब्यूरो चीफ बबलू गर्ग, डॉ.शैलेश कुमार, विपिन गर्ग, एडवोकेट मनीष बैसोया, विपिन बैसोया, बार एसोसिएशन अध्यक्ष जेपी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष विनोद बाबूजी, रविंद्र बंसल, दिनेश बैसोया, पूर्व कोषाध्यक्ष कपिल निठौरा, संजीव भाटी, संजय शर्मा, पूर्व सचिव सतेंद्र बैसोया, विजय आनंद आदि हजारों की संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की विजयनगर हरमुखपुरी इकाई का गठन

मोदीनगर, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की विजयनगर हरमुखपुरी इकाई का गठन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमित गोयल व गोविंदपुरी व्यापार मंडल अध्यक्ष सतेन्द्र गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस इकाई में व्यापारियों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र कुमार को अध्यक्ष पद पर नियुक्त करने की घोषणा की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मपाल ठेकेदार द्वारा की गई व मंच संचालन पूर्व सभासद विनोद गौतम व चेयरमैन गोविंदपुरी अमितेज जैन द्वारा किया गया । इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि इस इकाई के गठन से विजयनगर व हरमुखपुरी के व्यापारी भाइयों को अपने व्यापार के लिए मजबूती मिलेगी तथा व्यापारियों की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री निर्दोष खटाना ने भी अपने विचार रखें। अमित गोयल के नेतृत्व में कार्यक्रम में कमेटी की घोषणा भी की गई, जिसका शपथ ग्रहण कार्यक्रम बहुत जल्द ही किया जाएगा। कार्यक्रम में मंडल गोविंदपुरी के अध्यक्ष सतेन्द्र गुप्ता ने भी अपने विचार रखें, सभी व्यापारियों ने नरेंद्र कुमार को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मंच पर उपस्थित व्यापारी नेता महामंत्री संजीव कौशिक, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी नीरज राजपूत, सत्येंद्र चैधरी, मधुसूदन शर्मा, बलराज गुर्जर सभासद, जगदीश मदान आदि उपस्थित रहे। कमेटी में अजय कुमार, कामेश चैहान, राशीद अंसारी, चंचल कुमार, महेश चंद, आरिफ मलिक, शकील, विकास, बिट्ठू, मुनेश कुमार, दीपक कुमार, बलराम व्यापारी उपस्थिति रहें। नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने कहा कि हर हाल में मेरे क्षेत्र का व्यापारी सुरक्षित माहौल में व्यापार करेगा, हर समय व्यापारियों की मजबूती प्रदान करेंगे व व्यापार मंडल का निष्ठा से कार्यवाहन करेंगे।

विमान हादसे पर भारत ने दुख जताया

दक्षिण कोरियाई सरकार और जनता के साथ दिखाई एकजुटता

सिओल । भारत ने रविवार को दक्षिण कोरिया के मुआन शहर में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख जताया। हादसे में 179 लोगों की मौत की खबर है। अभी तक 174 लोगों के शव ही बरामद हुए हैं। विमान में कुल 181 यात्री सवार थे।

भारतीय राजदूत ने विमान हादसे पर क्या कहा

सिओल में भारत के राजदूत अमित कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'आज मुआन हवाई अड्डे पर हुए दुखद विमान हादसे की खबर सुनकर हम बेहद दुखी हैं। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। भारतीय दूतावास इस कठिन समय में दक्षिण कोरिया की सरकार और जनता के साथ खड़ा है।'

कार्यवाहक राष्ट्रपति ने बुलाई आपात बैठक

दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने बचाव कार्यों पर चर्चा करने के लिए मंत्रिमंडल के सदस्यों की एक आपात बैठक बुलाई।

स्थिति से निपटने का हरसंभव प्रयास कर रही सरकारः चोई सांग-मोक चोई ने कहा, सरकार पूरी तरह से एकजुट होकर इस हादसे के बाद की स्थिति से निपटने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है और शोक संतप्त परिवारों को पूरी तरह से समर्थन देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इस त्रासदी का शिकार हुए शोक संतप्त परिवारों के लिए केवल शब्द ही सांत्वना देने के लिए काफी नहीं हैं। कैसे हुआ हादसा आशंका जताई जा रही है कि दुर्घटना विमान के पक्षियों के संपर्क में आने के कारण हुई। इस वजह से विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। न्यूज एजेंसी योनहाप के मुताबि' लैंड करते वक्त विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आई। इसकी वजह से विमान ने बिना लैंडिंग गियर के लैंड करने की कोशिश की और रनवे पर फिसल गया। इसके बाद वह फिसलता हुआ हवाई अड्डे की बाउंड्रीवॉल से जा टकराया। इसके बाद विमान में धमाके साथ आग लग गई।

रक्षा मंत्री ख्वाजा ने की इमरान खान की आलोचना

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की सियासत में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नाम से सियासत तेज है। जहां पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इमरान खान की वफादारी पर सवाल उठाते हुए निशाना साधा है। उन्होंने खान पर आरोप लगाया कि वह

अमेरिका से विदेशी हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं, जबकि उन्होंने पहले इस तरह की बातों को नकारा था। अमेरिका से भीख मांगने का लगाया आरोप आसिफ ने कहा कि खान अमेरिका से मदद की भीख मांगने वाले पहले राजनेता हैं। उन्होंने कहा कि एक समय इमरान खान ने कहा था कि गुलामी अस्वीकार्य है और अब कह रहे हैं गुलामी को तुरंत स्वीकार करना चाहिए।

मार्शल लॉ के दौरान यून सुक योल ने सेना को गोली चलाने का दिया था आदेश

सियोल । दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने के दौरान निलंबित राष्ट्रपति यून सुक योल ने सैन्य बलों को जरूरत पड़ने पर गोली चलाने का भी आदेश दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभियोजन रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून के खिलाफ दायर 10 पेज की अभियोजन रिपोर्ट में कहा गया है कि निलंबित राष्ट्रपति ने संसद में प्रवेश करते समय सैन्य बलों को जरूरत पड़ने पर गोली चलाने का आदेश दिया था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि निलंबित राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को जरूरत पड़ने पर तीन बार मार्शल लॉ लगाने की बात कही के प्रमुख ली जिन-वू से कहा कि 'अगर जरूरत हो तो सैन्य बल नेशनल असेंबली में प्रवेश करने के लिए गोली चला सकते हैं।' मार्च से ही मार्शल लॉ लगाने की योजना बना रहे थे यून सुक योल 4 दिसंबर की सुबह सांसदों ने संसद में घुसकर यून की घोषणा को रद्द करने के लिए 190-0 से मतदान किया। रिपोर्ट में मार्शल लॉ की घोषणा के दिन वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के संदेशों के स्क्रीनशॉट भी शामिल थे। जिनमें इस बात के सबूत हैं कि यून मार्च की शुरूआत में ही वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ मार्शल लॉ घोषित करने पर चर्चा कर रहे थे। पूर्व

थी। सैन्य अधिकारियों को दिए थे जरूरत पड़ने पर गोली चलाने के निर्देश यून सुक योल को इस महीने की शुरूआत में नेशनल असेंबली द्वारा राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था और देश में मार्शल लॉ लगाने के लिए उनके खिलाफ जांच चल रही है।

अभियोजन रिपोर्ट को यून सुक योल के वकील ने खारिज कर दिया है और कहा कि ये एकतरफा आरोप हैं और परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। 3 दिसंबर को मॉर्शल लॉ लगने के बाद जब चार दिसंबर को सांसद, संसद पहुंचे, तो भारी हथियारों से लैस सैनिकों ने इमारत पर धावा बोल दिया। अभियोजन अभियोग रिपोर्ट के अनुसार, यून ने राजधानी रक्षा कमान रक्षा मंत्री किम को मार्शल लॉ लगाने के उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने विपक्षी पार्टी डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में देश में मार्शल लॉ लगा दिया था। हालांकि मार्शल लॉ लगाने के कुछ ही घंटे बाद पूरा विपक्ष संसद पहुंच गया और मार्शल लॉ हटाने के लिए मतदान कर दिया। मार्शल लॉ के खिलाफ दक्षिण कोरिया की सड़कों पर लाखों लोगों की भीड़ उतर गई, जिसके छह घंटे बाद ही मार्शल लॉ हटा लिया गया। राष्ट्रपति यून सुक योल को महाभियोग प्रस्ताव लाकर हटा दिया गया।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान को जवाब

चौकियों पर दागी गोलियां एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत 11 घायल

नई दिल्ली । पाकिस्तान द्वारा दो दिन पूर्व अफगानिस्तान में घुसकर टीटीपी के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले करने के बाद अफगानिस्तान ने जवाब दिया है। अफगान तालिबान बल ने पाकिस्तान की सीमा चौकियों पर गोलीबारी की। गोलीबारी में पाकिस्तान के अर्धसैनिक बल के एक सैनिक की मौत हो गई। जबकि 11 अन्य सैनिक घायल हो गए। यह गोलीबारी पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद की गई।

पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों के मुताबिक अफगानिस्तान के सैनिकों ने ऊपरी कुर्रम जिले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलीबारी की। इस दौरान घोजगढ़ी, माथा संगर, कोट राघा और तारी मेंगल इलाकों में बनी चौकियों पर भी गोलियां दागी। गोलीबारी में पाकिस्तान के एक सैनिक की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। बताया यह भी जा रहा है कि पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान सेना के सात से आठ जवान मारे गए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर किया था हमला : इससे पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकियों के चार ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले में 46 लोगों की मौत हो गई। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने इन हमलों की कड़ी निंदा की। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और कुछ अन्य नेताओं ने भी पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा की। इसका जवाब

16 सुरक्षाकर्मियों को मार दिया गया था

वहीं पाकिस्तान के दक्षिण वजीरिस्तान क्षेत्र में इस्लामी आतंकवादियों के एक बड़े हमले में 16 सुरक्षाकर्मियों को मार दिया गया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे पाकिस्तान तालिबान के नाम से भी जाना जाता है, ने हमले की जिम्मेदारी ली है। टीटीपी यहां विभिन्न सुन्नी इस्लामी आतंकवादी समूहों का एक छत्र समूह है जो यह लंबे समय से सरकार को उखाड़ फेंकने और इसकी जगह एक सख्त इस्लामी नेतृत्व वाली शासन प्रणाली लाने के लिए लड़ रहा है। यह अफगान तालिबान से अलग है।

इस्राइल के खिलाफ साजिश रच रहा हिजबुल्ला

नई दिल्ली । हिजबुल्ला ने फिर से इस्राइल के खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी है। इसके लिए लेबनान में हथियार जुटाए जा रहे हैं। इस्राइली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान के नागरिक क्षेत्र से हथियारों का जखीरा बरामद किया है। रक्षा बलों ने एक ट्रक बरामद किया, जिसमें 40 रॉकेट लॉन्चर बैरल लगे थे। जबकि एक फामेर्सी से विस्फोटक, आरपीजी मिसाइल और राइफल समेत अन्य सैन्य उपकरण बरामद किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हथियारों की बरामदगी से साफ है कि हिजबुल्ला इस्राइल के खिलाफ साजिश कर रहा है। अल्मा रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष सरित जहावी ने बताया कि जिन गांवों में हथियार मिले हैं, वहां सैन्य बुनियादी ढांचा नहीं है। लेकिन यह सैन्य अड्डा है। तलाशी के दौरान इस्राइली सीमा बलों ने नकौरा गांव के पास 40 रॉकेट लॉन्चर बैरल लगे ट्रक को बरामद किया। इसके साथ ही एक फामेर्सी से विस्फोटक, आरपीजी मिसाइलों और राइफलों सहित अतिरिक्त सैन्य उपकरण पाए गए, जबकि अन्य मिसाइलें और हथियार जमीन में छिपाकर इस्तेमाल के लिए तैयार रखे गए थे। इसे लेकर उत्तरी इस्राइल की निवासी जहावी ने कहा कि हथियारों का जखीरा मिलने से साफ है ।

बलूचिस्तान में यातना-जबरन गायब किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन

नईदिल्ली। पाकिस्तान का बलूचिस्तान चर्चा में बना हुआ है। कारण यातना और जबरन गायब किए जाने के खिलाफ विरोध है। एक प्रमुख

मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने बताया कि बलूचिस्तान में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ दो धरना प्रदर्शन किए जा रहे हैं। पहला विरोध जरीफ बलूच की क्रूर यातना और मौत के खिलाफ है, जिसमें उसके परिवार के साथ अमानवीय व्यवहार की निंदा की जा रही है। इस घटना के विरोध में टम्प में बंद हड़ताल की गई है अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मुफ्त में सामान लेने के लिए दुकान में मची भगदड़, 30 सेकेंड में खाली हो गया स्टोर

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में एक स्टोर पर मुफ्त में सामान लेने के लिए भगदड़ मच गई। लोग धक्का-मुक्की करते हुए स्टोर में घुसे और यहां से सामान लिया। इस भगदड़ में कुछ लोग घायल भी हो गए। दुकान में भगदड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

दरअसल पर्थ के स्ट्रीटएक्स स्टोर के मालिक ने बॉक्सिंग डे सेल के तहत एलान किया था कि लोग आएं और स्टोर को लूट लें। रविवार सुबह जैसे ही स्टोर खुला तो यहां भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में लोगों ने स्टोर में घुसकर सामान लिया। स्ट्रीटएक्स स्टोर के मालिक डैनियल ब्रैडशॉ ने क्रिसमस से पहले घोषणा की थी कि लोग आएं और उनके स्टोर को लूटकर ले जाएं। उनकी टीशर्ट बांटने की योजना थी।

स्टोर मालिक ने कहा स्टोर में रखी गईं 400 से ज्यादा चीजें महज 30 सेकेंड में गायब हो गईं। हम अपने ग्राहकों को कुछ मजेदार देना चाहते थे। हमने पूरे स्टोर को मुफ्त कर दिया था। इस दौरान लोग पहुंचे और सामान लिया। ब्रैड शॉ ने कहा कि पुलिस इस बार नहीं आई। कोई घायल नहीं हुआ है। वहीं सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो सामने आए। इनमें लोग दूध पी रहे हैं और एक-दूसरे पर खाना फेंक रहे हैं। एक महिला ने कहा कि स्टोर पर मची अफरातफरी में एक युवक ने उसके बेटे के सिर पर मुक्का मारा और उसका सामान छीन लिया। वायरल हुआ वीडियो

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें सैकड़ों लोग पर्थ में स्ट्रीटएक्स नामक दुकान की ओर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चीन ने फिर किया समुद्री सीमा का उल्लंघन

ताइवान के पास दिखे पांच नौसैनिक जहाज और सैन्य विमान

ताइपे । ताइवान जलडमरूमध्य तनाव का केंद्र बना हुआ है। इस बीच चीन के पांच नौ सैनिक जहाज और पांच चीनी सैन्य विमान एक बार फिर ताइवान के उत्तरी और दक्षिणी पश्चिमी एडीआईजेड में देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा कि इस पर नजर रखी जा रही है। एमएनडी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 5 पीएलए विमान और 5 पीएलएएन जहाजों को देखा गया। तीन विमान मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में घुस गए। हमने स्थिति पर नजर रखी है और उसके अनुसार कार्रवाई की है।

इससे शनिवार को भी चीन के विमानों को ताइवान के सीमा क्षेत्र के पास देखा गया था। इसे लेकर एमएनडी ने एक्स पोस्ट में लिखा था कि ताइवान के आस-पास 7 पीएलए विमान और 5 पीएलएएन जहाजों को देखा गया। इनमें से एक विमान मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी एडीआईजेड में घुस गया। हमने स्थिति पर नजर रखते हुए कार्रवाई की है।

हाल ही में ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने आरओसी सशस्त्र बल के आर्मी एयरबोर्न प्रशिक्षण केंद्र के नए बैरक के उद्घाटन की जानकारी दी थी। इसके अनुसार अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण के तरीके और गियर के साथ यह बेस सेना के पैराट्रूपर्स और विशेष युद्ध योद्धाओं की युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

वहीं नाटो महासचिव मार्क रूटे ने भी ताइवान के प्रति चीन के रुख पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि चीन ताइवान को धमकी दे रहा है। चीन ऐसे तरीके अपना रहा है। जिससे वह ताइवान के बुनियादी ढांचे तक पहुंच सके और उसे पंगु बना सके। दिसंबर में अब तक ताइवान ने 71 बार चीनी सैन्य विमान और 50 बार जहाजों का अपनी सीमा में पता लगाया है। चीन ताइवान के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है ग्रे-जोन रणनीति सितंबर 2020 से, चीन ताइवान के आसपास ऑपरेट करने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या बढ़ाकर ग्रे-जोन रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है।

घर में बना क्रिसमस केक खाकर तीन महिलाओं की मौत

ब्राजीलिया । ब्राजील के टोरेस में क्रिसमस केक खाकर एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस को आशंका है कि केक में जहर मिला था और पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। जिस महिला ने केक बनाया था, उसके पति की भी बीते सितंबर में मौत हुई थी। ऐसे में अब पुलिस पति के शव को भी कब्र से निकालकर उसकी जांच करने पर विचार कर रही है। क्या है पूरा मामला 61 वर्षीय जेली तेरेज़िन्हा सिल्वा डॉस अंजोस ने 23 दिसंबर, 2024 को एक पारिवारिक समारोह के लिए केक तैयार किया था। जिसे खाकर परिवार की तीन महिलाओं की मौत हो गई और एक 10 वर्षीय बच्चे की तबीयत बिगड़ गई। बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब उसकी हालत स्थिर है। पीड़ितों में जेली की बहनें, मैडा बेरेनिस फ्लोरेस दा सिल्वा (58) और न्यूजा डेनिज सिल्वा डॉस अंजोस (65) और उनकी भतीजी तातियाना डेनिज सिल्वा डॉस अंजोस (43) शामिल हैं।

शुरूआती जांच में मृतकों के रक्त में आर्सेनिक पाया गया है, जिसके बाद घटना की गहन जांच की जा रही है। जेली के पति पाउलो लुइज की भी बीते सितंबर में मौत हो गई थी। ऐसे में अब जांच अधिकारी लुइज के शव को भी कब्र से निकलवाकर फिर से जांच कराने पर विचार कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लुइज की मौत भी तो जहर से नहीं हुई थी।

जांच में घर से मिला संदिग्ध पदार्थ

जांच के दौरान, पुलिस को जेली के घर पर एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पाद और एक संदिग्ध सफेद तरल पदार्थ मिला। जेली भी ये केक खाकर बीमार हुई है।

उत्तरी गाजा के अस्पताल में इस्राइली सेना की रेड निदेशक समेत 240 फलस्तीनी गिरफ्तार

गाजा । 7 अक्तूबर को हमास के हमले से शुरू हुए इस्राइल हमास युद्ध में अभी तक सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। फिर भी दूर-दूर तक इस संघर्ष के खत्म होने का रास्ता दिख नहीं रहा है। इसी बीच इस्राइली सेना ने शनिवार को उत्तरी गाजा में कमाल अदवान नामक अस्पताल पर छापेमारी की और वहां के निदेशक हुसाम अबू सफिया समेत 240 फलस्तीनी को गिरफ्तार कर लिया। इस्राइली सेना के इस कदम पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने नाराजगी जताई है। बता दें कि मामले में इस्राइली सेना ने दावा किया है कि उत्तरी गाजा में स्थित कमाल अदवान अस्पताल हमास आतंकवादियों के गढ़ के रूप में काम करता था, हालांकि सेना ने इस आरोप के समर्थन में कोई प्रमाण नहीं दिया।

इस्राइली सेना ने की अस्पताल निदेशक की पिटाई : गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वह कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक हुसाम अबू सफिया को लेकर चिंतित है, क्योंकि इस्राइली सेना की तरफ से शुक्रवार शाम रिहा किए गए कुछ स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि सैनिकों ने सफिया की पिटाई की है।

क्योंकि उनके हमास का सदस्य होने का संदेह है। हमास ने कहा कि अस्पताल में उसके एक भी लड़ाके नहीं थे। लेकिन उसने 240 लोगों की गिरफ्तारी पर कुछ नहीं कहा है। सेना ने अस्पताल के निदेशक को हिरासत में लिया इस्राइली सेना के इस कदम से डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल के निदेशक, हुसाम अबू सफिया, छापे के दौरान हिरासत में ले लिए गए थे और उसके बाद से डब्ल्यूएचओ का उनसे संपर्क टूट गया है। जारी बयान में कहा गया कि कमाल अदवान अस्पताल अब खाली हो गया है, क्योंकि इस्राइली सेना ने अस्पताल पर छापा मारा और दर्जनों मेडिकल कर्मचारी और मरीजों को बाहर निकाल दिया।

इसके साथ ही इस्राइली सेना की ओर से जारी बयान में बताया गया कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वे संदिग्ध आतंकवादी हैं। अबू सफिया को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है

डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि उत्तरी गाजा में अस्पतालों पर बढ़ते हमले और प्रतिबंधों के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। हल्ड ने आह्वान किया है कि इन अस्पतालों को फिर से चलाने के लिए मदद की जाए ताकि गंभीर रोगियों को उपचार मिल सके।

इंडोनेशियाई अस्पताल में किया गया स्थानांतरित

इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ ने बताया कि शेष 15 गंभीर रोगियों, 50 देखभाल करने वालों और 20 स्वास्थ्य कर्मियों को इंडोनेशियाई अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन वहां आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति की कमी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की तीनों प्राधिकरण अधिकारियों के साथ बैठक

दिल्ली के यूपी सदन में एयरपोर्ट, किसान, फिल्म सिटी और बायर्स रजिस्ट्री मुद्दे पर मंथन

नोएडा (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के विकास कामों की समीक्षा की। ये बैठक दिल्ली के यूपी सदन में हुई। बैठक में तीनों प्राधिकरण के सीईओ, एसीईओ और ओएसडी, जीएम शामिल हुए। इसमें विभिन्न परियोजनाओं को लेकर किसान संबंधित मुद्दों पर बातचीत हुई।

इन योजनाओं पर रखी प्रगति रिपोर्ट : अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के सामने औद्योगिक विकास, निवेश, विकास परियोजनाएं, जमीन की उपलब्धता और किसानों से जुड़े मुद्दे रखे गए। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और फिल्म सिटी परियोजना की प्रगति को लेकर जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी गई। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण की शहर के अंदर नोएडा एलिवेटेड रोड, सेक्टर-151ए में इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स, सेक्टर-96 में प्रशासनिक भवन, सेक्टर-51-52 मेट्रो स्टेशन के बीच स्काईवॉक आदि महत्वपूर्ण परियोजनाएं चल रही हैं।

बायर्स रजिस्ट्री की हुई समीक्षा : ग्रेप-4 के कारण कई परियोजनाएं देरी से चल रही हैं, इसे लेकर भी कुछ दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा आवंटन पॉलिसी पर बातचीत हुई। वहीं, अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत तीनों प्राधिकरण में कितने बिल्डरों ने 25 प्रतिशत के हिसाब से पैसा जमा किया। कितने बायर्स की रजिस्ट्री की गई।

पार्षद नरेश भाटी ने लगाया आयुष्मान कार्ड कैंप, 105 बुजुर्गों ने लिया योजना का लाभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने रविवार को एसजी पब्लिक स्कूल में 70 उम्र से अधिक बुजुर्गो के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कैंप का आयोजन किया। क्षेत्रीय पार्षद नरेश भाटी ने बताया कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के दिशा निर्देश पर वार्ड में कैंप लगाया गया है जिसमें सैकड़ों की संख्या में बुजुर्गों ने भाग लिया और आयुष्मान कार्ड बनवाएं। इस मौके पर पार्षद ने कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ घर बैठे भी ले सकते हैं। इसके लिए मोबाइल फोन में एप डाउनलोड करें। यहां तक कि बायोमीट्रिक सत्यापन के लिए भी कहीं जाने की जरूरत नहीं है। आयुष्मान भारत एप से 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के लिए नया फीचर जुड़ गया है। आयुष्मान कार्ड की पात्रता रखने वाले इस ऐप को स्मार्टफोन में डाउनलोड करें। ऐप खोलने पर लॉग-इन विकल्प से होकर बेनीफिशियरी विकल्प पर जाएं। यहां स्क्रीन पर दिखने वाले कैप्चा को फीड करते हुए मोबाइल नंबर भरने के साथ सत्यापित करें। सत्यापित करने पर दर्ज मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा जिसे भरते हुए लॉग-इन करें। नये पेज पर स्कीम विकल्प मिलेगा जिसमें आयुष्मान कार्ड के लिए पीएमएजेवाई विकल्प पर जाएं।

यहां 70 वर्ष से अधिक आयु वाले पात्र वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड का विकल्प मिलेगा। यहीं बायोमेट्रिक सत्यापन मिलेगा जिस पर जाने पर क्लिक योर फोटो का विकल्प मिलने पर ऑनलाइन अपनी फोटो कैमरे से लेकर अपलोड करते ही आयुष्मान कार्ड बन जाएगा और मोबाइल स्क्रीन पर दिखेगा। इस प्रक्रिया के चार दिन बाद दोबारा इस पर जाकर अपना आयुष्मान कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। पार्षद नरेश भाटी ने इस मौके पर कहा कि जिसका आयुष्मान कार्ड नहीं बन रहा है। उनका घर पर जाकर आयुष्मान कार्ड बनवाने की कोशिश करेंगे, मौके पर कैंप में लोगों ने पार्षद का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने मुठभेड़ में पैर में मारी गोली, बदमाश घायल

स्नैचिंग की वारदात को देते थे अंजाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शालीमार गार्डन पुलिस कि दो शातिर स्नैचर के साथ हुई मुठभेड़ , एक के पैर मे पुलिस की गोली लगने से घायल और दूसरे को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

दोनों के कब्जे से एक तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा व चोरी की एक स्कूटी को बरामद किया है। शालीमार गार्डन पुलिस चेकिंग कर रही थी, उसी दौरान राजेन्द्र नगर जीडीए मार्केट व वजीराबाद रोड की तरफ से आने वाले रास्ते से एक स्कूटी सवार दो व्यक्ति डीएवी कट वजीराबाद रोड की तरफ से आते दिखाई दिये। जिनको रुकने का इशारा किया गया तो वह नहीं रुके और अपनी स्कूटी को पीछे मोड़कर तेजी से वजीराबाद रोड की तरफ भागने लगे।

चोरी की स्कूटी भी बरामद : पुलिस को शक होने पर पुलिस ने स्कूटी का पीछा किया गया तो पुलिस टीम को अपने पीछे आते देख भाग रहे दोनो शातिर ने स्कूटी को तेजी से भगाने लगे। तेज बारिश होने के कारण स्कूटी वजीराबाद रोड कट से पहले गीली मिट्टी होने के कारण फिसल कर गिर गई। पुलिस पार्टी को पीछे आते देख भाग रहे बदमाशो ने पुलिस पर जान से मारने की नियत से सीधा फायर कर दिया।

पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी पर फायर कर रहे बदमाशो मे से एक बदमाश के पैर मे गली। पुलिस कि गोली और वह घायल हो गया दूसरा बदमाश मौके से भाग गया जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को पीछे भेजा गया। घायल बदमाश का नाम मंसूर खान उर्फ राजू पुत्र मंजूर निवासी शहीदनगर साहिबाबाद को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

फरार हुए बदमाश को कुछ देर बाद पकड़ने गई पुलिस टीम घटनास्थल पर लेकर आई जिससे पूछताछ की गई तो इसने अपना नाम वाजिद उर्फ दानिश पुत्र शमी आलम निवासी राजीव कॉलोनी डीएलएफ थाना शालीमार गार्डन गाजियाबाद बताया।

महानगर अध्यक्ष एवं सदर विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में सुना गया 'मन की बात' कार्यक्रम

महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश / गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा : पीएम मोदी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 11 बजे मन की बात के 117वें संस्करण के जरिए देशवासियों को संबोधित किया।

महानगर अध्यक्ष एवं सदर विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के सभी 20 मंडलों के बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना गया जिसमें बूथों की समितियां तथा बूथ कमेटी के मन की बात प्रमुख, मंडल टीम, महानगर पदाधिकारियों तथा वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। राजनगर मंडल में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन गरिमा प्रॉपर्टी पी ब्लॉक संजय नगर गाजियाबाद में सुना गया। पीएम मोदी ने देश की मन की बात में कहा, महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश। गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। उन्होंने आगे अपने विचार रखते हुए बताया संविधान को लागू हुए 75 साल पूरे होंगे। संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान देश का मार्गदर्शक है। उन्होंने वेव्स समिट 2025 के बारे में बताया।

जिसमें मुख्य उपस्थिति पूर्व महानगर संयोजक अमर दत्त शर्मा, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष डी एन सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, पार्षद उमेश नगर, मंडल अध्यक्ष ओमदत्त कौसिक, उपेंद्र शिशोदिया, नीरज त्यागी, मोनू त्यागी, कविता चौहान, किरण चौधरी, भावना जौहरी, अनुज राघव, मनोज गिरी, अभिजीत मुखर्जी, मनीष मित्तल, अनिल अरोड़ा, विजय कोरी , श्रीचंद चौहान, दीपक वर्मा, सौरभ चौहान, अमित गोस्वामी, राहुल शर्मा, पवन सहलोत, दर्पण अरोड़ा, विट्ठू त्यागी रवींद्र शिशोदिया हीरु चौहान, परमेंद्र त्रिपाठी आदि की रही।

पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम के 'मन की बात'

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। झंडापुर वार्ड 41 के पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय ने रविवार को अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' सुनी। भाजपा पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम मन की बात सुनी। पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के तहत बहुत ही सारगर्भित विषयों को आम लोगों के बीच रखा। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ ही अलग-अलग राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे कार्य करने वाले लोगों का जिक्र कर उनकी प्रशंसा भी की। इस कार्यक्रम से देश का कोना-कोना जुड़ता है। एक राज्य को दूसरे राज्य की उपलब्धियों को जानने-समझने का अवसर भी मिलता है।

न्यू ईयर पार्टी के लिए लूट

ई-रिक्शा चुराया, 2 बदमाश डिग्गी में छिपे, परिवार बनाया बंधक

नाएडा। नोएडा के सेक्टर-30 में कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर लूट करने वाले चार बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए हैं। स्वाट टीम, साइबर सेल, सेक्टर-20 थाना पुलिस की संयुक्त मुठभेड़ में बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। चारों बदमाश मूल रूप से बिहार के निवासी हैं। यहां न्यू अशोक नगर दिल्ली, सेक्टर-15 नयाबांस, जेजे कॉलोनी सेक्टर-16 में रह रहे थे।

बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा पर सवार होकर बदमाश लूट करने गए थे। लूट के 2 लाख 5 हजार रुपये कैश, आधार, पासपोर्ट समेत अन्य सामान की बरामदगी पुलिस ने बताई। पुलिस के मुताबिक बदमाश डीएनडी से सेक्टर-18 की तरफ आ रहे थे, डीएलएफ मॉल तिराहे से पहले शहदरा नाले किनारे मुठभेड़ हुई।

पुलिस ने बताया कि लूट के लिए ऐप बेस्ड डिलीवरी कंपनी से जुड़ा ई-रिक्शा चोरी कर उसी से चारों बदमाश पहुंचे थे। दो बदमाश ई-रिक्शा पर आगे बैठे थे और दो डिग्गी के अंदर छिपे थे। गनपॉइंट पर लूट के बाद एक बदमाश ई-रिक्शा लेकर चला गया था। तीन बदमाश कारोबारी पति-पत्नी व उनकी बेटी को बंधक बनाकर उनकी ही कार से ले गये थे।

घटना के वक्त ही कारोबारी की बेटी ने पुलिस को कॉल कर दिया था। इसलिए सुरक्षित निकालने को बदमाश कारोबारी पति-पत्नी को बँधक बनाकर उनकी ही कार से निकले थे। सेक्टर-142 के आगे नोएडा ग्रेनो एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर तीनों बदमाश उतर गये थे और पैदल चले गये थे। आज सुबह हुई मुठभेड़ में चारों बदमाश पकड़े गये।

पार्षद हिमांशु चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम की 'मन की बात'

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद गांव के वार्ड 40 के पार्षद हिमांशु चौधरी ने रविवार को कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। इस मौके पर पूर्व मंत्री सच्चिदानंद पोख्याल मौजूद रहे। पार्षद हिमांशु चौधरी ने उनका बुके देकर स्वागत किया।

मन की बात कार्यक्रम 117वां एपिसोड में में प्रधानमंत्री जी ने कई बातों का जिक्र किया। शुरुआत में नए साल की एडवांस में बधाई के साथ उन्होंने संविधान के 75 वर्ष और प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की भी चर्चा की।

इसके अलावा उन्होंने फिल्मी हस्तियों जैसे मोहम्मद रफी, राज कपूर और अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू के भी योगदान की सराहना की। यही नहीं पीएम ने देश में मलेरिया के खिलाफ सफल लड़ाई और कैंसर के इलाज की भारत में बढ़ी संभावनाओं पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा कि मलेरिया की बीमारी चार हजार वर्षों से मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय भी यह हमारी सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक थी। आज मैं संतोष से कह सकता हूं कि देशवासियों ने मिलकर इस चुनौती का दृढ़ता से मुकाबला किया है।

वसुंधरा मंडल कार्यालय में भाजपाइयों ने सुना 'मन की बात' का 117वां एपिसोड

साहि बाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा मंडल कार्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम के तहत देशों को निशाना बनाया गया। मुख्यरूप से मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, संदीप त्यागी पूर्व राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य युवा मोर्चा, पार्षद सत्येंद्र चौधरी, बूथ अध्यक्ष बबीता चौधरी, अनुराग मिश्रा, राज तिवारी, मुकेश पाल, एसपी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कही है।

कार्यक्रम में राजनीति पर नहीं वे हमेशा राष्ट्र की बात, समाज की बात के तहत एक दिशा बताते हैं, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के तहत देश में शिक्षा में हो रहा बदलवा को भी प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 117वें एपिसोड में नए साल की शुरूआत में कई बातों का ज़िक्र किया गया, बधाई के साथ उन्होंने संविधान के 75 साल और समानता में होने वाले महाकुंभ की भी चर्चा की।

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

खेत में शिवलिंग निकलने का दावा, पूजा-अर्चना शुरू

खेत मालिक ने कहा, मंदिर निर्माण के लिए देंगे जमीन, बिजली गिरने के बाद हुआ गड्ढा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मसूरी थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर डासना इलाके में एक खेत में प्राचीन शिवलिंग दबा हुआ मिला है। खेत में बिजली गिरने से गहरा गड्ढा होने पर लोगो को शिवलिंग नजर आया। गांव के लोगों का मानना है यह एक दैवीय घटना है जिसमें शिवलिंग प्रकट हुआ है यहां के लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं। मसूरी के गांव मुबारिकपुर के रहने वाले संजीव ने बताया कि वो अपने खेत में चारा लेने आये थे। खेत मे अपने आप बने गड्ढे में शिवलिंग दिखा। जिसके बाद गांव के लोगों को बताया गया। जिसके बाद मौके पर गांव के लोगों की भीड़ जुटने लगी । लोगो ने शिवलिंग को खेत से निकाल पूजा अर्चना कर पास के मंदिर में रखवा दिया है। अब लोग यहां शिव मंदिर निर्माण की बात कह रहे हैं। लोगों का कहना है कि खेत में अपने आप ही गड्ढा बन गया था। शिवलिंग में तीन रेखाओं वाला त्रिपुंड चिन्ह बना हुआ है। खेत के गड्ढे में शिवलिंग निकलने पर यहां लोग बेहद उत्साहित हैं। जयकारे के साथ ही भजन कीर्तन पास के मंदिर में महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। लोग यहां मंदिर के निर्माण किए जाने बात कह रहे हैं। खेत मालिक का कहना है कि मन्दिर निर्माण के लिए वह अपने खेत की जमीन देंगे।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। माया ममता चेरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष ममता गुप्ता इन दिनों संगीत के क्षेत्र में काम कर रही हैं। उनका प्रयास संगीत के माध्यम से मानव जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का है। उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए एसजी म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान चलाने वाली ममता गुप्ता ने इस पल को फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।